CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-232
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 27 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सुविचार

बर्बाद समय हमारा भविष्य खराब करता है।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने लंदन की होटल ताज में निवेशकों के साथ इन्टरेक्टिव सेशन में की चर्चा

मप्र जैसा लैंड बैंक किसी भी राज्य में नहीं

लंदन। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2025 को 'उद्योग एवं रोजगार वर्ष' घोषित किया है। इस पहल के तहत, द्विवार्षिक प्रमुख कार्यक्रम, 'इन्वेस्ट मध्य प्रदेश - ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025', फरवरी 2025 में राजधानी भोपाल में आयोजित की जाएगी। इस आयोजन को बढ़ावा देने और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निवेश के अवसरों पर इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इसी बीच सीएम डॉ. यादव ने राज्य के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए यूनाइटेड किंगडम और जर्मनी की छह दिवसीय यात्रा शुरू की है। इस यात्रा का उद्देश्य लोकल लीडर और इन्वेस्टर्स के साथ सहयोग को बढ़ावा देते हुए नवकरणीय ऊर्जा, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक वाहन, शिक्षा और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में मध्यप्रदेश की अपार संभावनाओं को प्रदर्शित करना है।

सीएम डॉ. यादव ने मंगलवार को लंदन की होटल ताज में निवेशकों के साथ इन्टरेक्टिव सेशन में चर्चा की। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश में व्यापार-व्यवसाय को लेकर हर प्रकार से अनुकूलता है। मध्यप्रदेश जैसा लैंड बैंक महाराष्ट्र, कोयंबटूर से लेकर पश्चिम बंगाल तक में नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने इन्टरेक्टिव सेशन में कहा कि इन्वेस्टमेंट के लिए मध्यप्रदेश डेस्टिनेशन निकल कर आ रहा है। सीएम ने कहा कि 10-20 साल पहले का भारत और आज का भारत हमें याद होगा। इस प्रकार की विविधता वाला देश कितने प्रकार की चुनौतियां हैं। भारत- इंग्लैंड की कई साझी विरासत है। कई सारी परिस्थितियां हैं, लेकिन इंग्लैंड और भारत में लोकतंत्र का गौरव है।

व्यावसायिक कारण से ही इंग्लैंड हमारी तरफ आकर्षित हुआ था- सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विरासत के काल में हमारी तरफ इंग्लैंड आकर्षित हुआ था तो वह भी व्यापार और व्यावसायिक कारण से हुआ था। उस व्यापार-व्यवसाय के आधार पर इंग्लैंड ने अपनी गति-प्रगति की है। सीएम ने कहा कि देश की आजादी के बाद और वर्तमान के माहौल में हमने कई घटनाक्रम देखें तो याद आएगा कि कोविड के कठिन काल का उदाहरण हमारे सामने हैं। लॉकडाउन, इतने बड़े देश में इस शब्द की कल्पना करना भी मुश्किल है। कर्फ्यू में या कभी और प्रकार से एक नगर को लॉकडाउन करते हैं तो हालत खराब हो जाती है, लेकिन पूरा देश, क्या रेल, क्या बस, सब ट्रांसपोर्ट सिस्टम बंद हो गया। वह अपना विल पावर बताता है कि देश को बचाने के लिए किस प्रकार से काम किया था।

मध्यप्रदेश में दिख रहे अवसर- सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत में जहां मानकर चलते थे कि हमारे अवसर कम हैं, इसलिए तो भारत से बाहर आकर आप लोग अपनी-अपनी पहचान बनाने किसी और मार्ग पर आए थे, लेकिन आज आपको अपने व्यवसाय की बढ़ती रफ्तार में फिर बड़े पैमाने पर संभावना अपने देश में भी है। मध्यप्रदेश में भी मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि आप भी अवसर को देख रहे हो और समझ रहे हो और इन व्यवस्थाओं में जुड़ने का रास्ता भी ढूंढ रहे हो।

मप्र में है राजनीतिक स्थायित्व- सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में शासन में पारदर्शिता है। स्पष्टता भी है और संभावना भी है। उससे बढ़कर पॉलिसीज भी हैं। हमारी राजनीतिक स्थायित्व की भावना है, अभी कोई आपको डाउट नहीं हो सकता। सीएम ने कहा कि हमसे ज्यादा आप जानते हो कि जिस प्रकार से अभी राजनीतिक नेतृत्व स्थायित्व वाला है। प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व और उससे बढ़कर उनकी साफगोई भी है कि अगर एक बार कह दिया तो सब जानते हैं कि दुनिया इधर से उधर हो जाए बात बदलती नहीं है।

व्यापार-व्यवसाय को यही चाहिए-सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मैं मप्र का सीएम होने के नाते कहता हूं कि अगर यह महसूस होता है कि इतनी सारी चुनौतियों में अपना स्थायित्व कैसे चाहिए? तो सबसे बड़ा आधार उसका केंद्र होता है और केंद्र में इस बात की गारंटी रहती है, कोई बात नहीं, अच्छा निर्णय कर लिया, बढ़ो आगे, हम सब देख लेंगे। वे खाली शब्द नहीं हैं। वे एवरेस्ट से ऊंची चट्टान से ऊंची आश्वस्ती हैं कि वे जो कह रहे हैं, उसमें कोई भी चिंता नहीं है। और व्यापार- व्यवसाय को क्या चाहिए, यही तो चाहिए।

भारत में बढ़ रहा व्यापार-व्यवसाय सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दुनिया में आप भी देख रहे हो, जो आहट यूरोप में आ रही है। वह एशिया में भी दिखाई दे रही है। व्यापार-व्यवसाय ऐसी भयावहता के बीच में नहीं बढ़ सकता, लेकिन भारत में व्यापार- व्यवसाय बढ़ रहा है और शांति की अगर कहीं से आहट भी आ रही है तो वो उसी देश से आ रही है, जिसके कारण देश की धाक भी है और साख भी है।

राज्यसभा की छह रिक्त सीटों के लिए उपचुनाव का ऐलान, 20 दिसंबर को वोटिंग

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के बाद अब राज्यसभा उपचुनावों का एलान कर दिया गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने राज्यसभा की छह रिक्त सीटों के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इन सीटों पर 20 दिसंबर को चुनाव होंगे। नतीजे इसी दिन घोषित कर दिए जाएंगे। जिन सीटों पर चुनाव होने जा रहे हैं, उनमें से तीन सीटें आंध्र प्रदेश की हैं। इसके अलावा पश्चिम बंगाल, हरियाणा और ओडिशा की एक-एक सीट पर चुनाव कराए जा रहे हैं। सभी सीटें मौजूदा सांसदों के इस्तीफे के बाद खाली हुई थीं। चुनाव आयोग के मुताबिक, उपचुनाव से जुड़ी अधिसूचना 3 दिसंबर को जारी की जाएगी। नामांकन की आखिरी तारीख 10 दिसंबर तय की गई है। 11 दिसंबर को नामांकन की जांच होगी। उम्मीदवार 13 दिसंबर तक नामांकन वापस ले सकते हैं। चुनाव 20 दिसंबर को कराए जाएंगे और नतीजे इसी दिन जारी कर दिए जाएंगे। चुनाव आयोग को 24 दिसंबर से पहले इन सीटों पर चुनाव संपन्न कराना है। इस पहले महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव कराए गए थे। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान कराया गया था और झारखंड में दो चरणों (13 और 20 नवंबर) में मतदान कराए गए थे। इनके परिणाम 23 नवंबर को आए थे। महाराष्ट्र में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी की महायुति ने शानदार जीत हासिल की थी। वहीं, झारखंड में झामुमो समेत अन्य दलों के विपक्षी गठबंधन ह्यइंडियाह्न ने सत्ता बरकरार रखी थी।

मजबूत डॉलर के बीच सोना 1,250 रुपए टूटकर 78,150 रुपए प्रति 10 ग्राम पर

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से पीली धातु की चमक फीकी पड़ गई जिससे राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमत में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में भारी गिरावट आई और यह 1,250 रुपये टूटकर 78,150 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु सोमवार को 1,000 रुपए की गिरावट के साथ 79,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव भी 1,250 रुपए टूटकर 77,750 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया, जो सोमवार को 79,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी मंगलवार को 1,100 रुपये घटकर 90,600 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 1,600 रुपये घटकर 91,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की चीन, मैक्सिको और कनाडा से आयात पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी ने निवेशकों को अमेरिकी मुद्रा की ओर आकर्षित किया, जबकि मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक स्थिति में नरमी के कारण सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की अपील कम हो गई। हालांकि, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर वायदा कारोबार में दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 175 रुपये यानी 0.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 75,486 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। सोमवार को यह 75,311 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

महाराष्ट्र का सीएम कौन?

फडणवीस का पलड़ा भारी... बीजेपी ने साफ कहा- बिहार मॉडल लागू नहीं होगा

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान आज खत्म होने की संभावना है। भारतीय जनता पार्टी यह साफ कर दिया है कि बिहार मॉडल महाराष्ट्र लागू नहीं होगा। देवेंद्र फडणवीस के नाम पर अड़ी नजर आ रही है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने कहा कि महाराष्ट्र में बिहार मॉडल लागू नहीं होगा। यानी की साफ है कि जिस तरह बीजेपी ने बिहार में जेडीयू के पास कम सीटें होने के बाद भी सीएम का पद दिया था, वैसा कुछ महाराष्ट्र में नहीं होगा।

बीजेपी ने बताया क्यों लागू नहीं होगा बिहार मॉडल प्रेम शुक्ला ने कहा कि बिहारी में नीतीश कुमार को सीएम बनाने का ऐलान चुनाव से पहले ही कर दिया गया था। महाराष्ट्र में शिवसेना को लेकर ऐसी कोई कमिटमेंट नहीं किया गया था। दूसरी बात ये कि बीजेपी ने बिहार में जेडीयू के साथ गठबंधन इस मकसद से किया था कि राज्य में BJP की पैठ मजबूत हो सके। हालांकि, ऐसा नहीं हो पाया। इसलिए महाराष्ट्र में बिहार मॉडल को दोहराने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता।

महायुति में नहीं बन पाई है सहमति महायुति

गठबंधन में मुख्यमंत्री पद पर सहमति अभी तक नहीं बन पाई है। यही वजह है कि राज्यपाल ने एकनाथ शिंदे को कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने को कहा है। बता दें कि मंगलवार(26 नवंबर) को विधानसभा का कार्यकाल समाप्त हो गया। इसलिए राज्य में कार्यवाहक सीएम का होना बेहद जरूरी था। अगर ऐसा नहीं किया जाता तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की नौबत आ जाती।

शिवसेना और बीजेपी में बातचीत जारी महायुति गठबंधन के अंदर मुख्यमंत्री पद को लेकर मंथन जारी है। शिवसेना के नेता संजय शिरसाट ने कहा कि जनता की भावना है कि शिंदे को मुख्यमंत्री बनाए रखा जाना चाहिए । हालांकि, साथ-साथ यह भी कहा कि अंतिम फैसला बीजेपी आलाकमान पर निर्भर करता है।

आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देंगे-मोदी

नई दिल्ली। संविधान दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंतकवाद को लेकर भारत का सख्त रुख पूरी दुनिया के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि मैं देश का यह संकल्प दोहराता हूं कि भारत की सुरक्षा को चुनौती देने वाले हर आतंकी संगठन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान का ये 75वां साल पूरे देश के लिए एक असीम गौरव का विषय है। आज मुंबई में हुए आतंकी हमले की भी बरसी है इस हमले जिनकी मृत्यु हुई उनको मैं श्रद्धांजलि देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारा संविधान, हमारे वर्तमान और हमारे भविष्य का मार्गदर्शक है। बीते 75 वर्षों में देश के सामने जो भी चुनौतियां आई हैं। हमारे संविधान ने हर उस चुनौती का समाधान करने के लिए उचित मार्ग दिखाया है। संविधान से मिली शक्ति की वजह से ही आज जम्मू-कश्मीर में भी बाबा साहब का संविधान पूरी तरह लागू हुआ है। संविधान

दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, 53 करोड़ से ज्यादा ऐसे भारतीयों का बैंक खाता खुला है, जो बैंक के दरवाजे तक नहीं पहुंच पाते थे। पिछले 10 वर्षों में, 4 करोड़ ऐसे भारतीयों को पक्के घर मिले हैं, जो कई कई पीढ़ियों से बेघर थे। पिछले 10 वर्षों में, 10 करोड़ से ज्यादा ऐसी महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन मिला है, जो वर्षों से अपने घर में गैस पहुंचने का इंतजार कर रही थी। इससे पहले संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर पीएम मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। एक वीडियो संदेश के जरिये संविधान के ताकत का मतलब समझाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सभी देशवासियों को भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर संविधान दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। पीएम मोदी ने इस खास मौके पर करीब डेढ़ मिनट का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में पीएम मोदी यह कहते सुनाई दे

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान की मांग

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि जब एन. चंद्रबाबू नायडू और जगन मोहन रेड्डी जैसे नेता चुनाव हार जाते हैं तो वे कहते हैं कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ हुई है, लेकिन जब वो ही इसके जरिये चुनाव जीत जाते हैं तो फिर कुछ नहीं बोलते हैं। तब ईवीएम में कोई खामी नजर नहीं आती है। याचिकाकर्ता ने सभी चुनाव बैलेट पेपर के जरिये करवाने की मांग की थी। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि 18 राजनीतिक दलों का समर्थन उन्हें हासिल है। चंद्रबाबू नायडू और जगन मोहन जैसे नेता भी कह चुके हैं कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट पहले भी बैलट वोटिंग की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर चुका है। याचिकाकर्ता केए पॉल ने एलन मस्क की टिप्पणियों का संदर्भ दिया जिन्होंने सुझाव दिया था कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है। ईवीएम लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। उन्होंने कहा कि मैंने 150 से अधिक देशों का दौरा किया है और अधिकांश ने बैलेट पेपर वोटिंग को अपनाया है। पॉल ने कहा कि मेरा मानना है कि भारत को भी यही तरीका अपनाना चाहिए।

हिंसक हुआ इमरान की पार्टी का मार्च, 6 सुरक्षाकर्मी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी- पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों की तरफ से इस्लामाबाद के लिए जा रही रैली को रोकने के दौरान शुरू हुई झड़पों में सुरक्षाबलों के छह जवानों की मौत हो गई। बताया गया कि इस हिंसा में 100 से ज्यादा जवान घायल भी हुए। इन हालात के बीच पाकिस्तान सरकार ने अब इस्लामाबाद में सेना को तैनात कर दिया है और उसे उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने के आदेश भी दे दिए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सरकार पर चुराए गए जनादेश, लोगों की अन्यायपूर्ण गिरफ्तारी और 26वें संशोधन के पारित होने की निंदा करते हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। इसी के मद्देनजर

खान के समर्थक बड़ी संख्या में इस्लामाबाद तक मार्च निकालने के लिए एकत्रित हुए। हालांकि, पीटीआई समर्थकों को राजधानी में प्रवेश करने और धरना देने के प्रयास को विफल करने के लिए अधिकारियों के कड़े इंतजाम किए। पूर्व प्रधानमंत्री के समर्थकों ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने और कई महत्वपूर्ण सरकारी भवनों राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय, संसद और उच्चतम न्यायालय के नजदीक स्थित डी-चौक पर धरना दिया। इसके बाद इमरान खान की रिहाई की मांग के साथ निकाले जा रहे इस मार्च में सुरक्षाबलों की कड़ाई के बाद हिंसा भड़क उठी। बड़ी संख्या में अर्धसैनिक बल और पुलिस के जवानों के घायल होने के बाद अब इस्लामाबाद में सेना को सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पाकिस्तान के स्थानीय मीडिया-रेडियो पाकिस्तान के मुताबिक, प्रदर्शनों के दौरान इस्लामाबाद के श्रीनगर हाईवे में एक गाड़ी ने पाकिस्तान रेंजर्स को टक्कर मार दी। इसमें चार जवानों की मौत हो गई। कुछ पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई हैं। इतना ही नहीं इस घटनास्थल से पांच किलोमीटर दूर हथियार लिए हुए कुछ उपद्रवियों ने रेंजर्स पर पत्थरबाजी की। इसके अलावा रावलपिंडी में चुंगी नंबर 26 पर सुरक्षाकर्मियों पर जबरदस्त फायरिंग की घटनाएं सामने आई हैं।

दुनिया के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति जॉन टिनिसवुड ने 112 साल की उम्र में तोड़ा दम

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति जॉन टिनिसवुड का निधन हो गया। उन्होंने 112 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। उनका जन्म 26 अगस्त 1912 को ब्रिटेन के लिवरपूल में हुआ था। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने इसकी घोषणा की।

टिनिसवुड जीवनभर लिवरपूल फुटबॉल क्लब (एफसी) के समर्थक रहे। उनका निधन साउथ पोर्ट स्थित एक देखभाल केंद्र में हुआ। उनके परिवार ने कहा कि टिनिसवुड आखिरी दिन संगीत में डूबे हुए थे। वे हमेशा धन्यवाद देने के लिए जाने जाते थे और परिवार ने उनकी देखभाल करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

हफ्ते में एक बार खाते थे मछली और चिप्स

इस साल जब वेनेजुएला के 114 वर्षीय जुआन विसेंट पेरेज का निधन हुआ, तब टिनिसवुड को दुनिया का सबसे बुजुर्ग व्यक्ति घोषित किया गया था। जॉन का कहना था कि लंबा जीवन केवल उनकी किस्मत है। उन्होंने कभी किसी विशेष आहार का पालन नहीं किया और वे हफ्ते में एक बार मछली और चिप्स खाना पसंद करते थे।

जॉन ने दोनों विश्व युद्धों का किया था अनुभव

जॉन ने दोनों विश्व युद्धों का अनुभव किया था। द्वितीय विश्व युद्ध में उन्होंने एक प्रशासनिक अधिकारी की भूमिका निभाई थी। उन्होंने शेल और बीपी जैसी कंपनियों के अकाउंटेंट के रूप में काम किया था और 1972 सेवानिवृत्त हो गए थे।

जीवन में संयम को बनाए रखा

जॉन के परिवार में एक बेटी, चार पोते और तीन परपोते हैं। जॉन ने अपनी जीवनशैली में संयम को बनाए रखा और इसे लंबे जीवन का राज बताया। दुनिया के सबसे उम्रदराज व्यक्ति जापान के जीरोमोन किमुरा रहे, जिनका 116 वर्ष 54 दिन की आयु में 2013 में निधन हुआ था।

इंदौर की बेटी ने नीमच में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, सीएम मोहन यादव ने दी बधाई

शिखा ने 84 हजार वर्गफीट में बनाई 100 महान विभूतियों की रंगोली

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। नीमच जिले में अनोखा विश्व रिकॉर्ड बना है। जिले में इंदौर की बेटी ने 84 हजार वर्गफीट में 100 महान विभूतियों की रंगोली बनाई है। इस रंगोली को एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। प्रदेश की बेटी का ऐसा शानदार काम देख मुखिया मोहन यादव ने भी बधाई दी है। दरअसल, इंदौर की रहने वाली बेटी शिखा शर्मा ने यह शानदार काम किया है। उन्होंने यह काम नीमच में किया है। जानकारी के अनुसार जिले के दशहरा मैदान में 9 दिवसीय सनातन सर्वधर्म भैरव भक्ति उत्सव चल रहा है। इस उत्सव में धार्मिक कार्यक्रम के साथ सामाजिक कार्य किए जा रहे हैं। इसी दौरान रंगोली बनाई गई। इसमें इंदौर की बेटी शिखा ने ऐसी रंगोली बनाई की लोग वाहवाही किए बिना नहीं रह सके।

100 घंटे लगे रंगोली बनाने में

भैरव उत्सव के समय इंदौर के कलाकारों ने डॉ राजेंद्र प्रसाद स्टेडियम में रंगोली बनाई। इस रंगोली को बनाने में 4 दिन यानी करीब 100 घंटे लगे। इस रंगोली को 1000 महान विभूतियों को रंगों के माध्यम से 84 हजार एकड़ में उकेरा गया। इस रंगोली को बनाने में 26 टन के रंगोली का उपयोग किया गया। भारत के नक्शे पर 28 राज्यों के करीब 100 महापुरुषो, क्रांतिकारी संत व नेताओं के चित्र बनाए गए हैं।

इंदौर की बेटी का काम देख

सीएम मोहन यादव ने हौसला अफजाई की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि नीमच में 84 हजार वर्ग फीट में महान विभूतियों पर केंद्रित 100 चित्रों वाली अद्भुत रंगोली बनाकर इंदौर की बेटी शिखा और उनके साथियों ने एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड व इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है। उन्होंने आगे लिखा कि बेटी शिखा और उनके साथियों को बधाई और शुभकामनाएं!

मंगलवार के दिन पहुंचे वर्ल्ड रिकॉर्ड के अधिकारी

4 दिन बाद यानी मंगलवार के दिन रंगोली बनकर पूरी हुई। इसके बाद मंगलवार के दिन एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के अधिकारी ने नीमच पहुंचकर इसका निरीक्षण किया। निरीक्षण करने के बाद पदक और प्रमाण पत्र सौंपा। सीएम मोहन यादव ने रंगोली का वीडियो शेयर करते हुए शुभकामनाएं दी। साथ ही रंगोली बनाने वाली इंदौर के बेटी शिखा शर्मा की हौसला बढ़ाया।

रंगोली में दिया खास संदेश

नीमच में रंगोली का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के साथ ही कलाकार शिखा शर्मा ने इसमें अनोखा संदेश दिया है। उन्होंने, लिखा है कि बेटी सीखेगी तो कल का भविष्य लिखेगी। इसके साथ ही शिखा शर्मा ने अपने सोशल मीडिया में लिखा की मैं इतिहास रटने नहीं, इतिहास रचने आई हूं। आपको बता दें कि इंदौर की बेटी ने इससे पहले पिछले साल 14 हजार वर्गफीट की रंगोली बनाकर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया था। शिखा ने इंदौर में बनाई रंगोली में पितृ पर्वत, कमल का फूल में पीएम मोदी और कैलाश विजयवर्गीय के चित्र उकेरे हैं।

बीआरटीएस पर बनेंगे पांच ब्रिज जनवरी से शुरू होगा सर्वे

बस लेन हटाने के लिए हाईकोर्ट से अनुमति लेना होगी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के बीआरटीएस को प्रदेश सरकार ने हटाने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पिछली इंदौर यात्रा के दौरान बीआरटीएस तोड़ने की घोषणा की थी। अभी नगर निगम ने बीआरटीएस हटाने का काम शुरू नहीं किया, लेकिन बीआरटीएस के पांच प्रमुख जंक्शन पर ब्रिज के लिए प्री फिजिबिलिटी सर्वे शुरू करने के लिए नगर निगम ने टेंडर जारी किए हैं। जनवरी माह में सर्वे शुरू करने की तैयारी है, हालांकि नगर निगम को बीआरटीएस की बस लेन हटाने के लिए हाईकोर्ट से अनुमति लेना होगी। बीआरटीएस के ब्रिज के लिए एलआईजी, पलासिया चौराहा, गीता भवन चौराहा, शिवाजी वाटिका, नवलखा चौराहा पर ब्रिज के लिए सर्वे होगा। सभी ब्रिज बीआरटीएस के मध्य हिस्से में बनाए जाएंगे। बीआरटीएस के भंवरकुआं पर ब्रिज बनकर तैयार हो चुका है, जबकि निरंजनपुर चौराहा पर ब्रिज का निर्माण शुरू हो चुका है।

बीआटीएस के सबसे व्यस्त विजय नगर चौराहे पर ब्रिज नहीं बन पाएगा,क्योकि चौराहे से मेट्रो ट्रेन रुट क्रॉस कर रहा है। इसके अलावा पलासिया चौराहा से भी मेट्रो का रुट क्रास होगा। इस कारण यहां ब्रिज की ऊंचाई ज्यादा रखना होगी।

तोड़ने और लाइन शिफ्टिंग पर खर्च होंगे करोड़ों रुपए

बीआरटीएस ब्रिज तीन सौ करोड़ रुपये में बना है, लेकिन बीआरटीएस की बस लेन और स्टेशनों को तोड़कर ब्रिज बनाने के लिए भी करोड़ों रुपये की राशि खर्च होगी,क्योकि

बीआरटीएस के दोनो तरफ सीवरेज लाइन बिछाई गई है, जबकि मध्य हिस्से में नर्मदा लाइन बिछी है। चौराहों पर नर्मदा लाइन भी शिफ्ट करना होगी। इसमें भी तगड़ा खर्च आना है।

चार-चार फीट ऊंचे बस स्टेशन भी तोड़ने होंगे

बीआरटीएस की बस लेन के मध्य हिस्से में बस स्टेशन भी बने हैं, जो चार फीट ऊचें प्लेटफार्म पर बनाए गए हैं। बस लेन की रैलिंग हटाने के साथ उन्हें भी तोड़ना होगा। मेयर पुष्य मित्र भार्गव का कहना है कि बीआरटीएस को लेकर कोर्ट में याचिका विचाराधीन है। बीआरटीएस हटाने का फैसला नीतिगत है। हम कोर्ट के समक्ष अपना पक्ष रखेंगे। बीआरटीएस के जंक्शनों पर ब्रिज के लिए जल्दी सर्वे शुरू होगा।

जयपुर में भी बीआरटीएस प्रोजेक्ट रहा फ्लॉप

राजस्थान सरकार ने जयपुर में भी बीआरटीएस के दो कॉरिडोर बनाए थे, लेकिन उसका उपयोग नहीं हो सका। सरकार ने 439 करोड़ रुपये खर्च कर 39 किलोमीटर का बीआरटीएस बनाया था,लेकिन अफसरों ने जितना दिमाग बजट को खपाने में लगाया, उतना बीआरटीएस के सफल संचालन में नहीं लगाया गया। न ठीक से बसें खरीदी गई और न ही ट्रैफिक स्टडी हो पाई। वर्ष 2010 में गेहलोत सरकार के समय यह प्रोजेक्ट अमल में आया था। बाद में वंसुधरा सरकार ने इस प्रोजेक्ट से किनारा कर लिया।

कार से रेस लगा रहे थे, परखच्चे उड़े, दो युवकों की मौके पर मौत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के तेजाजी नगर बायपास पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें ग्वालियर के दो युवकों की जान चली गई और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब तीनों युवक पार्टी के बाद लौट रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, घटना ओ स्टार सिटी के पास हुई, जहां तेज रफ्तार हुंडई वेरना कार (एमपी 09डब्ल्यूएफ9951) अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस दुर्घटना में अमन उपाध्याय और अवधेश पाठक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ बैठे परमीत घायल हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। अमन ग्वालियर के शिंपी कॉलोनी में रहते थे, जबकि अवधेश का घर नागदेवता मंदिर के पास था।

बताया जाता है कि तीनों युवक विजय नगर इलाके के एक होटल में ठहरे हुए थे और रात के समय किशनगंज इलाके की भगवती होटल में खाना खाने गए थे। इसके बाद, सुबह जब वे लौट रहे थे, तो यह हादसा हुआ। इस दौरान अमन कार चला रहे थे, जबकि अवधेश आगे की सीट पर बैठे थे और परमीत पीछे की सीट पर थे। सुबह करीब साढ़े पांच बजे, जब वे रुद्राक्ष नर्सरी और रालामंडल बायपास के पास पहुंचे, तो उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में मामा अवधेश पाठक और उनके दोस्त अमन की जान चली गई, जबकि परमीत घायल हो गए।

पुलिस ने जब्त की गाड़ियां

हादसे के दौरान, अमन के भांजे गौरव उपाध्याय, जो दूसरी कार (क्रेटा) चला रहे थे, उनकी गाड़ी भी खेत में पलट गई। गौरव और उनके साथ बैठे युवक को मामूली चोटें आईं। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दोनों गाड़ियां आपस में रेस लगा रही थीं, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। गौरव और उनके साथी ने दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंचकर देखा कि अमन और अवधेश की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त क्रेटा कार को भी जब्त कर लिया है।

यह बताया पुलिस ने

टीआई देवेंद्र मरकाम के मुताबिक इस हादसे में अमन के भांजे गौरव उपाध्याय की क्रेटा कार भी पलटी खा गई। गौरव और उसके साथ में बैठे युवक को मामूली चोट आई है। टीआई के मुताबिक प्रारंभिक जानकारी सामने आई है कि दोनों कार से रेस लगा रहे थे। इस दौरान अमन की कार डिवाइडर में जा घुसी। जबकि गौरव की कार खेत में जाकर पलटी खा गई। क्रेटा कार में बैठा गौरव और उसका साथी कार से निकलकर आया। उन्होंने देखा तब तक अमन और अवधेश की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने क्रेटा कार भी जब्त की है।

बस की टक्कर ने व्यापारी की मौत पर परिवार को मिला बड़ा मुआवजा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। यह घटना बेहद दुखद और गंभीर है, जो यातायात नियमों के उल्लंघन और लापरवाही का परिणाम है। एक व्यापारी, नरेंद्र सिंह, अपने परिचित के साथ बाइक से उज्जैन की ओर जा रहे थे, जब उत्तरप्रदेश पासिंग एक बस, जो गलत दिशा से आ रही थी, ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। इस भयानक हादसे में व्यापारी की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना 22 जून 2021 को सुबह लगभग 11 बजे हुई। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि बस चालक के पास न तो ड्राइविंग लाइसेंस था और न ही बस फिटनेस मानकों को पूरा करती थी।

इस हादसे के बाद पीड़ित परिवार, जिसमें मृतक की पत्नी, बेटा और माता-पिता शामिल थे, ने न्याय की गुहार लगाते हुए जिला एवं सत्र न्यायालय में अधिवक्ता राजेश खंडेलवाल के माध्यम से परिवाद दायर किया। परिवाद में यह मांग की गई कि इस दुर्घटना के लिए जिम्मेदार बस चालक, बस मालिक और बस की बीमा कंपनी पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा प्रदान करें। इस मामले में बीमा कंपनी ने तर्क दिया कि जिस बाइक से नरेंद्र सिंह सफर कर रहे थे, उस बाइक के बीमा प्रदाता को इस मामले में पक्षकार नहीं बनाया गया। हालांकि, यह स्पष्ट किया गया कि हादसे की पूरी गलती बस चालक की थी, जिसने यातायात के नियमों का घोर उल्लंघन किया था। न्यायालय ने इस मामले की गंभीरता को समझते हुए और सभी पक्षों को सुनने के बाद पीड़ित परिवार के पक्ष में फैसला सुनाया। यह निर्णय एक महत्वपूर्ण संदेश देता है कि ऐसे मामलों में न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है और लापरवाही के कारण किसी की जान जाने पर जिम्मेदारों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। इस फैसले से पीड़ित परिवार को न केवल वित्तीय राहत मिलेगी, बल्कि उन्हें न्याय का भी अनुभव होगा।

संविधान दिवस पर राष्ट्र की एकता के लिए कलेक्टर ने दिलाया संकल्प

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को संविधान दिवस मनाया गया। कलेक्टर आशीष सिंह ने संविधान दिवस के अवसर पर अधिकारी- कर्मचारियों को संविधान का पालन करते हुए राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए दृढ़ संकल्पित होने का संकल्प दिलाया। उन्होंने संविधान के संबंध में प्रकाश भी डाला। उन्होंने कहा कि प्रस्तावना संविधान की आत्मा है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा भारत के संविधान को अपनाए जाने के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर संविधान दिवस को उत्सव के रूप में मनाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। भारतीय

संविधान को 26 नवम्बर 1949 को अंगीकृत किया गया था। संविधान को अपनाने के दिन को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष हमारा संविधान- हमारा स्वाभिमानह्व टैग लाइन के तहत सालभर अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। उधर, नगर निगम इंदौर द्वारा निगम परिसर में हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने संविधान दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही संविधान द्वारा निर्धारित कर्तव्यों का पालन करने की प्रेरणा दी। एमआईसी सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया ने संविधान के महत्व को लेकर सभी निगम अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान की उद्देशिका का वाचन करवाया।

कांग्रेस युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत में हुई धक्का-मुक्की

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। कांग्रेस युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानू चिब मंगलवार दोपहर इंदौर पहुंचे। कांग्रेस नेताओं ने उनके स्वागत में नियम तोड़ते हुए इंदौर एयरपोर्ट के अंदर घुसने की कोशिश की। इस पर पुलिस ने बलपूर्वक कांग्रेसियों को बाहर निकाला। वहीं, उदय भानू के स्वागत में कांग्रेसियों के बीच कई बार धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। उधर, इंदौर युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों का कहना है कि हमने स्थिति को कहीं भी बिगड़ने नहीं दिया है जहां पर स्थिति खराब हो रही थी वहां पर प्रशासन ने संभाल लिया था। इंदौर युवा कांग्रेस के शहर अध्यक्ष रमीज

स्वागत के लिए एयरपोर्ट में घुसने की कोशिश
सीआईएसएफ ने मोर्चा संभाला

खान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के स्वागत के लिए तीन मंच बनाए गए थे। इस दौरान अध्यक्ष मप्र युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के लगाए संविधान मंच और इंदौर युवा कांग्रेस के मंच पर कार्यकताओं से मिलने के बाद इंदौर से शाजापुर के लिए रवाना हो गए।

महाकाल के दर्शन करने जाएंगे उज्जैन

कांग्रेस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब रात में शाजापुर से वापस इंदौर आएंगे। वे इंदौर में रेडिसन होटल में कुछ देर रूकने के बाद उज्जैन महाकाल के दर्शन कर जाएंगे। अध्यक्ष उज्जैन से दोबारा रात में ही इंदौर रेडिसन होटल में आकर रूकेंगे और कुछ देर आराम करने के बाद वह मुंबई के लिए रवाना होंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब इंदौर से सुबह 6.30 बजे की फ्लाइट से मुंबई के लिए रवाना होंगे। वे फिर मुंबई से राजकोट जाएंगे।

मशाल यात्रा के लिए शाजापुर पहुंचे

शाजापुर जिला मुख्यालय में युवक कांग्रेस की मशाल यात्रा निकाली जाना है। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब इस यात्रा में शामिल होने ही इंदौर आकर शाजापुर गए हैं। कांग्रेस की इस मशाल यात्रा को लेकर बताया गया है कि इसमें किसानों को बिजली एवं खाद उपलब्ध कराने, युवाओं को रोजगार देने व महिलाओं की सुरक्षा सहित कई मुद्दों को लेकर यह मशाल यात्रा है।

जम्मू से चुनाव लड़ना चाहते थे चिब

जम्मू-कश्मीर में चल रहे विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष उदय भानु चिब को भारतीय युवा कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्हें श्रीनिवास बीवी के स्थान पर यह जिम्मेवारी सौंपी गई है। बता दें कि उदय भानु चिब विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते थे। लेकिन उन्हें टिकट नहीं दी गई थी। कहा जा रहा है कि वे जम्मू नॉर्थ सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे लेकिन वह सीट कांग्रेस ने अपने सहयोगी गठबंधन के साथी नेशनल कॉन्फ्रेंस को दे दी। इससे चिब भी नाराज थे। जिसके बाद कांग्रेस ने उन्हें भारतीय युवा कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त कर उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

मप्र में जंगली जानवरों के हमले में मौत पर अब मिलेगा 25 लाख का मुआवजा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। वन्यजीव हमलों में होने वाली मौतों के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने मुआवजा राशि बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी है। पहले यह राशि सिर्फ 8 लाख रुपये थी। नई व्यवस्था में पीड़ित परिवार को तुरंत 10 लाख रुपये मिलेंगे और बाकी 15 लाख रुपये की एफडी बनाई जाएगी। यह कदम मानव-वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर उठाया गया है। मध्य प्रदेश का मुआवजा अब महाराष्ट्र के बराबर हो गया है।

यह महत्वपूर्ण बदलाव मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के बाद आया है। वन विभाग इस संबंध में एक प्रस्ताव तैयार कर रहा है, जिसे जल्द ही कैबिनेट में पेश किया जाएगा। इससे पहले, वन्यजीव हमले में मौत पर मिलने वाला मुआवजा महाराष्ट्र के मुकाबले काफी कम था। अब बढ़ी हुई राशि से पीड़ित परिवारों को कुछ आर्थिक राहत मिल सकेगी। यह राशि दो किस्तों में दी जाएगी। पहली किस्त 10 लाख रुपये की तत्काल दी जाएगी। बाकी 15 लाख रुपये की ऋऊ की जाएगी। इस ऋऊ में से 10 लाख रुपये 5 साल बाद और 5 लाख रुपये 10 साल बाद मिलेंगे। यह राशि मृतक के वारिसों को ब्याज समेत मिलेगी।

हर साल आते हैं 40 मामले

वर्तमान में, वन विभाग के पास हर साल वन्यजीव हमलों में मौत के लगभग 40 मामले आते हैं। इसके लिए करीब 3 करोड़ रुपये का बजट रखा जाता है। नया प्रस्ताव कैबिनेट में पेश होने के बाद इस बजट में भी इजाफा होने की उम्मीद है। महाराष्ट्र में भी इसी तरह की व्यवस्था है, जहां वन्यजीव हमले में मौत पर 25 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाता है। मध्य प्रदेश में अभी तक मौत पर 8 लाख, इलाज पर खर्च की गई राशि और स्थायी अपंगता पर 2 लाख रुपये दिए जाते थे। वहीं, छत्तीसगढ़ में 6 लाख, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में 5-5 लाख रुपये मुआवजा दिया जाता है।

हैरान करने वाले हैं आंकड़े

मध्य प्रदेश में बाघ, तेंदुए जैसे मांसाहारी जानवरों का रिहायशी इलाकों में आना बढ़ रहा है। इससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। पिछले पांच सालों में वन्यजीव हमलों में 292 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। वर्ष 2023-24 में अक्टूबर तक वन्यजीव हमलों में मौत, घायल होने और पशुओं के नुकसान के मामलों में 15 करोड़ 3 लाख रुपये का मुआवजा दिया जा चुका है। यह आंकड़ा इस समस्या की गंभीरता को दशार्ता है।

एमपी से सटे प्रदेशों में भी अलग है राशि

मध्य प्रदेश से सटे राज्यों में मुआवजा राशि अलग-अलग है। छत्तीसगढ़ में जनहानि पर 6 लाख रुपये मिलते हैं, लेकिन स्थायी अपंगता पर कोई मुआवजा नहीं है। उत्तर प्रदेश में जनहानि पर 5 लाख और स्थायी अपंगता पर 4 लाख रुपये मिलते हैं। राजस्थान में जनहानि पर 5 लाख और स्थायी अपंगता पर 3 लाख रुपये मिलते हैं। गुजरात में जनहानि पर 5 लाख और स्थायी अपंगता पर 2 लाख रुपये मिलते हैं। महाराष्ट्र में जनहानि पर 25 लाख और स्थायी अपंगता पर 7.5 लाख रुपये मिलते हैं।

किस राज्य में कितना है मुआवजा

छत्तीसगढ़- जनहानि पर 6 लाख रुपए और स्थाई अपंगता पर कोई मुआवजा तय नहीं है।

उत्तरप्रदेश- जनहानि पर 5 लाख रुपए और स्थाई अपंगता पर 4 लाख रुपए की राशि दी जाती है।

राजस्थान- जनहानि पर 5 लाख रुपए और स्थाई अपंगता पर 3 लाख रुपए की राशि मुआवजे के रूप में दी जाती है।

गुजरात- जनहानि पर 5 लाख रुपए और स्थाई अपंगता पर 2 लाख रुपए दिए जाते हैं।

महाराष्ट्र- जनहानि पर 25 लाख रुपए और स्थाई अपंगता पर 7.5 लाख रुपए की राशि तय है।

अपनी पार्टी की जीत से सदमे में हैं कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे!

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश की दो सीटों पर हुए उपचुनाव में बीजेपी और कांग्रेस को एक-एक सीट पर जीत मिली है। सबसे ज्यादा चर्चा विजयपुर विधानसभा सीट की है। इस सीट से कैबिनेट मंत्री रामनिवास रावत की हार हुई है। रामनिवास रावत की हार के बाद राज्य में नई सियासी अटकलें शुरू हो गई हैं। जनता ने दब-बदलू नेता को नकार दिया है जिस कारण से राज्य में एक ऐसी महिला विधायक हैं जिनके सियासी भविष्य पर ब्रेक लग सकता है। विजयपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस की जीत से कार्यकर्ता उत्साह में हैं लेकिन कांग्रेस की एक विधायक के लिए यह किसी झटके से कम नहीं है। हम बात कर रहे हैं सागर जिले की बीना विधानसभा सीट से निर्मला सप्रे की। निर्मला सप्रे 2023 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस के टिकट पर जीती हैं। लोकसभा चुनाव के बाद से वह बीजेपी के कार्यक्रम में नजर आ रही है। बीजेपी कार्यकारिणी की बैठक में भी शामिल हो चुकी हैं। कांग्रेस भी विधायक निर्मला सप्रे के खिलाफ कार्रवाई के लिए विधानसभा अध्यक्ष के लिए लेटर लिख चुकी है। कांग्रेस नेता निर्मला सप्रे को लेकर कह चुके हैं कि पार्टी के दरवाजे उनके लिए बंद हो गए हैं।

दल-बदल के कारण हारे रावत?

रामनिवास रावत की हार के बाद क्षेत्र में यह कहा जा रहा है कि दल बदल के कारण उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में अगर निर्मला सप्रे बीजेपी में शामिल होती हैं तो उन्हें कांग्रेस और विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देना पड़ेगा और फिर एक उपचुनाव हो सकता है। इसलिए निर्मला सप्रे ने अभी तक न ही कांग्रेस से इस्तीफा दिया और न ही बीजेपी में शामिल हुई हैं। रामनिवास रावत की हार के बाद अब निर्मला सप्रे के सियासी प्लान में झटका लग सकता है।

अगर इस्तीफा देती हैं तो होगा उपचुनाव

अगर निर्मला सप्रे कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल होती हैं तो विधानसभा की सदस्यता से उन्हें इस्तीफा देना पड़ेगा। ऐसे में उन्हें एक बार फिर से चुनाव में जाना पड़ेगा। बुधनी और विजयपुर से पहले अमरवाड़ा में उपचुनाव हुए थे। अमरवाड़ा विधानसभा सीट पर बीजेपी जीती थी लेकिन कांग्रेस उम्मीदवार ने कांटे की टक्कर दी थी। विजयपुर में जीत के बाद कांग्रेस कार्यकताओं में उत्साह है।

विधानसभा सत्र से पहले होगा फैसला

16 दिसबंर से मध्य प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है। इस सत्र से पहले विधानसभा अध्यक्ष की निर्मला सप्रे की सदस्यता पर फैसला लेना है। कांग्रेस यह कह रही है कि वह कांग्रेस की विधायक नहीं हैं। वहीं, बीजेपी नेतृत्व ने भी निर्मला सप्रे को लेकर अपने पत्ते नहीं खोले हैं। हालांकि निर्मला सप्रे यह कह चुकी हैं कि वह जनता की विधायक हैं और जनता से ही पूछकर फैसला करेंगी।

बालाघाट बलात्कार मामले में सड़क पर उतरेगी महिला कांग्रेस

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। बालाघाट बलात्कार मामले में प्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष नूरी खान ने पीसीसी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बीजेपी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि गरीब किसी मामले में फंसता है तो उनके घर पर बुलडोजर चलता है, लेकिन वहीं भाजपा के नेता की बलात्कार के मामले में अभी तक गिरफ्तारी तक नहीं हुई। नूरी खान ने पुलिस को सात दिन का समय दिया और कहा है अगर गिरफ्तारी नहीं होती है तो महिला कांग्रेस सड़कों पर उतरेगी और आंदोलन करेगी। बता दें, बालाघाट जिले के भाजयुमो जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सोहागपुरे पर महिला से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगा है। पीड़िता ने युवा नेता की सगाई के दौरान पहुंचकर हंगामा किया और यौन शोषण के आरोप लगाए थे। जिसके बाद उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

नूरी खान ने कहा कि मध्य प्रदेश में से पिछले पौने 3 साल में 28857 महिलाएं गायब हुई हैं। रोज औसतन 28 महिलाएं और 3 बच्चियों गायब होने के केस दर्ज किए जा रहे हैं। महिला अपराधों का ग्राफ चिंताजनक और भयावह है।

7 महीने में 2319 रेप और 150 से ज्यादा गैंगरेप के मामले सामने आ चुके हैं। पीड़ितों में 3 साल की बच्चियों से लेकर 60 साल की महिलाएं शामिल हैं। अकेले जबलपुर में 70 छात्राओं के अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल किया गया। महू में सेना के अधिकारियों की महिला मित्रों के साथ दुष्कर्म, उज्जैन में फुटपाथ पर दुष्कर्म, ऐसे कई मामले हैं, जो सामने नहीं आ पाते।

मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष ने बताया कि अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने देशभर में नारी न्याय आंदोलन और नारी न्याय यात्रा का आगाज किया है। 15 सितंबर से महिला कांग्रेस की देशव्यापी सदस्यता अभियान की शुरूआत की गई है। अब तक 3 लाख महिलाओं ने देशभर में महिला कांग्रेस की सदस्यता ली है। एमपी में अब तक 20 हजार महिलाएं कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ले चुकी हैं।

युवतियों से छेड़छाड़ करने वाला साइको भोपाल में गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। युवतियों से छेड़खानी करने वाले साइको युवक को पुलिस ने सोमवार रात गिरफ्तार कर लिया है। पिछले एक महीने से वह चूना भट्टी के यशोदा विहार कॉलोनी में युवतियों को परेशान कर रहा था। आरोपी के पास से पुलिस को लड़कियों के अंडरगारमेंट्स मिले हैं। अपनी पहचान छिपाने के लिए आरोपी मास्क और चश्मा पहने रहता था। अपनी एक्टिवा की नंबर प्लेट पर कागज चढ़ा रखा था। आरोपी की पहचान गौतम नगर निवासी इजहार खान के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, उसके मां-पिता टीचर हैं। रात में थाने आए पिता ने बताया कि उन्हें बेटे की इस हरकत की जरा भी भनक नहीं थी। वह कहां जाता है, किससे मिलता है, इस बारे में कभी कुछ नहीं बताया। बेटे की यह हरकत सुन पिता भी शर्मसार हो गए। पुलिस के मुताबिक, चूना भट्?टी पुलिस ने उसकी जेब और स्कूटर की डिग्गी से बड़ी मात्रा में लड़कियों के अंडरगारमेंट्स बरामद किए हैं। यह गारमेंट्स वह कहां से लाता था और इनका क्या करता था, पुलिस इस बारे में पता कर रही है। आरोपी ने छेड़छाड़ की दो वारदातें कबूल कर ली हैं। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि चूना भट्?टी इलाके में सोमवार को 2 जगह से छेड़छाड़ की शिकायत आई। दोनों ही शिकायतें दोपहर बाद की हैं। एक युवती ने डायल-100 को कॉल किया था। पुलिस आरोपी की तलाश में थी। इस बीच शाम को उसने एक और वारदात को अंजाम दे दिया। इस युवती ने शोर मचाया, इसके बाद लोगों ने आरोपी को घेरकर पुलिस को सूचना दी। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद थाने पहुंचीं दोनों पीड़ित युवतियों ने एफआईआर दर्ज कराई। अब पुलिस उन युवतियों का पता लगा रही है, जो आरोपी की छेड़छाड़ का शिकार हो चुकी हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी युवतियों को डराता-धमकाता भी था। चूना भट्?टी के थाना प्रभारी भूपेंद्र कौर संधू का कहना है कि

वेतन के बदले मिली दुत्कार, सुनना पड़ा जातिसूचक शब्द

अब थाने से भी हो रही टालमटोल

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मामला झुग्गी बस्ती में रहने वालों के बीच होता तो इसको आम मान लिया जाता। किस्सा उच्च शिक्षित और डॉक्टरी जैसे पेशे से जुड़ा हुआ है। एक अनुबंध के तहत दी गईं सेवाओं के बदले पार्टनर को गलियों से नवाजा गया, उसे जातिसूचक शब्दों से जलील किया गया और उसकी एक मोटी रकम भी दबा ली गई। न्याय की आस में पीड़ित व्यक्ति अजाक थाने पहुंचा तो उसे वहां से भी हिलाहवाली से ज्यादा कुछ हाथ नहीं लगा। मजबूर होकर पीड़ित ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है। उम्मीद जताई है कि उसके साथ हुए धोखे के बदले कसूरवारों को सजा मिले, उसके अपमान और तिरस्कार के लिए दोषियों पर कार्रवाई भी हो। साथ ही उसके अधिकार की राशि उसे सम्मान के साथ लौटाई जाए। मामला राजधानी भोपाल से जुड़ा हुआ है। जहां चिकित्सा जैसे स्वास्थ्य पेशे में संलग्न लोगों ने इस तरह के हालात बनाए हैं। पीड़ित डॉक्टर सुमित कुमार ने बताया कि उन्होंने अद्वितीय अमेजिंग सेंटर कंपनी के अधीन काम करने वाली संस्था संकेत अमेजिंग सेंटर के साथ कुछ तयशुदा शर्तों पर काम शुरू किया था। उनका अनुबंध संस्था के डायरेक्टर डॉ. राजीव मिश्रा के साथ हुआ था, जो इस कंपनी के समान अंश के हिस्सेदार हैं। मई 2024 में हुए इस अनुबंध के तहत डॉ. राजीव मिश्रा ने डॉ. सुमित को सेवा के बदले प्रति माह 4.50 लाख रुपये देने का समझौता किया था। डॉ. सुमित वर्मा अपनी नियुक्ति के बाद से अद्वितीय अमेजिंग सेंटर के लिए होशंगाबाद स्थित सेंटर पर भी सेवाएं देते रहे हैं। इसके बदले जब उन्होंने अपने वेतन की मांग की तो डॉ. राजीव पहले उन्हें टालते रहे। लेकिन कई बार तगादा करने पर वे उखड़ गए और डॉ. सुमित को भला बुरा कहते हुए गाली गलौज करने लगे। उन्होंने डॉ. सुमित को उनकी अनुसूचित जाति से जोड़कर भला बुरा कहा और उन्हें औकात याद दिलाने और सामाजिक एवं आर्थिक बहिष्कार करने की धमकी भी दी।

डॉ. सुमित वर्मा ने बताया कि वे अनुसूचित जाति से संबद्ध होकर कोरी समाज से वास्ता रखते हैं। उनके साथ हुई अभद्रता, सामाजिक तिरस्कार और साख पर लगे दाग को लेकर वे आदिम जाति कल्याण थाने पर अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। लेकिन पुलिस ने न तो उनके आवेदन पर विचार किया और न ही दोषियों के खिलाफ किसी कार्रवाई को आगे बढ़ाया। इसके बाद डॉ. सुमित ने इस मामले को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने डॉ. राजीव मिश्रा के खिलाफ अदालत में मामला दायर किया है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण से संबंधित दस्तावेज और साक्ष्य के साथ अदालत से न्याय की गुहार लगाई है।

1 दिसंबर से 1 घंटे 50 मिनट में होगा भोपाल से गोवा का सफर, मिलेगी फ्लाइट

भोपाल। सर्दियों की शुरुआत होते ही लोग गर्म डेस्टिनेशन की तरफ हॉलिडे का लुत्फ उठाने के लिए सोचते हैं। भारत में गोवा एक ऐसा राज्य है जहां पर्यटक जाना पसंद करते हैं। ट्रेनों के बिजी रहने के चलते लोगों को कई बार अपना प्लान कैंसिल करना पड़ जाता है। हालांकि अब आपको ऐसी जगह जाने के लिए ज्यादा नहीं सोचना पड़ेगा। इंडिया में चलने वाली फ्लाइट का विंटर शेड्यूल शुरू हो चुका है। इसमें कई बदलाव हुए हैं। इसके चलते भोपाल को कई अतिरिक्त उड़ानें मिली हैं। अब भोपाल से गोवा जाने वाले पर्यटकों को भी फ्लाइट मिल सकेगी। दरअसल, भोपाल स्थित राजा भोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से विंटर शेड्यूल में एयर इंडिया और इंडिगो की कई नई उड़ान शुरू की जा रही है।

हफ्ते में चार दिन रहेगी भोपाल-रीवा फ्लाइट, सुबह 8.15 बजे उड़ेगी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल से रीवा के लिए फ्लाइट शुरू हो गई है। सप्ताह में 4 दिन फ्लाइट उड़ेगी। प्रत्येक मंगलवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को सुबह 8.15 बजे भोपाल से फ्लाइट टेक ऑफ यानी, उड़ान भरेगी, जबकि 2 घंटे में सुबह 10.20 बजे रीवा लैंड करेगी। दोपहर में ही यह फ्लाइट वापस भोपाल लौट जाएगी। अभी पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा के तहत सप्ताह में 6 दिन उड़ान जरूर भरी जा रही है, लेकिन प्लेन सिर्फ छह सीटर है। वहीं, किराया भी अधिक है। इसलिए पूरे यात्री नहीं मिल पा रहे हैं। अब नियमित फ्लाइट शुरू की गई है। मंगलवार सुबह डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने भोपाल से रीवा एयरपोर्ट की पहली फ्लाइट सेवा की शुरूआत करते हुए यात्रियों को बोर्डिंग पास सौंपे।

डिप्टी सीएम शुक्ल ने कहा कि, रीवा एयरपोर्ट से भोपाल की सीधी कनेक्टिविटी विंध्य क्षेत्र के व्यापार, पर्यटन और उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। यह सेवा क्षेत्र के नागरिकों के लिए समय की बचत के साथ-साथ सुविधाजनक यात्रा का माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा, यह हवाई सेवा रीवा को राज्य और देश के अन्य प्रमुख शहरों से जोड़ने की एक महत्वपूर्ण कड़ी होगी। इससे व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। साथ ही यह क्षेत्र के सांस्कृतिक और प्राकृतिक सौंदर्य को देश-विदेश के पर्यटकों तक पहुंचाने में भी सहायक होगी।

टिकट काउंटर का उद्घाटन

डिप्टी सीएम शुक्ल ने भोपाल के राजा भोज अंतरराष्ट्रीय विमानतल पर फ्लाई बिग कंपनी के टिकट काउंटर का उद्घाटन भी किया। सांसद शर्मा, एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी, फ्लाई बिग कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। रीवा और भोपाल के बीच फ्लाई बिग कंपनी की उड़ान सेवा सप्ताह में 4 दिन उपलब्ध रहेगी। भोपाल से रीवा की उड़ान (फ्लाइट नंबर र9-514) मंगलवार, बुधवार, गुरुवार, और शुक्रवार को उपलब्ध होगी। भोपाल एयरपोर्ट से फ्लाइट सुबह 8.15 बजे प्रस्थान करेगी और रीवा एयरपोर्ट पर सुबह 10.20 बजे पहुंचेगी। रीवा से भोपाल की उड़ान (फ्लाइट नंबर र9-515) सोमवार, मंगलवार, बुधवार, और गुरुवार को संचालित होगी। रीवा एयरपोर्ट से यह फ्लाइट दोपहर 1.40 बजे प्रस्थान करेगी और भोपाल एयरपोर्ट पर 3.45 बजे पहुंचेगी

शेड्यूअल्ड फ्लाइट सर्विस शुरू

एयरपोर्ट डायरेक्टर अवस्थी ने बताया, रीवा और भोपाल के बीच निर्धारित उड़ान सेवाएं (शेड्यूअल्ड फ्लाइट सर्विस) आज से शुरू हो गई हैं, जो क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को एक नई दिशा प्रदान करेंगी। कुछ सीटें 999 रुपए में उड़ान योजना अंतर्गत आरक्षित हैं, जबकि शेष सीटों की कीमतें डायनेमिक प्राइसिंग मॉडल के तहत तय की जाएंगी। यह पहल अधिकतम लोगों को सस्ती और सुविधाजनक हवाई यात्रा का लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। यह सेवा क्षेत्र के यात्रियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी।

सम्पादकीय

क्या सदन में ज्यादातर समय हंगामा ही होता रहेगा?

संसद के शीतकालीन सत्र का पहला दिन हंगामे की भेंट चढ़ गया। अडानी समूह के खिलाफ अमेरिकी अभियोजकों के रिश्वतखोरी के आरोपों की जांच के लिए जेपीसी गठित करने की मांग, मणिपुर में ताजा हिंसा, दिल्ली में बढ़ता वायु प्रदूषण और संभल में हुई हिंसा के मुद्दे पर चर्चा के लिए अड़े विपक्ष ने भारी हंगामा किया। इस कारण दोनों सदनों की कार्यवाही एक-एक बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। दरअसल संसद का कोई भी सत्र हो, उसकी शुरुआत हंगामे से होना एक परंपरा का रूप ले चुका है।

संसद के शीतकालीन सत्र का पहला दिन हंगामे की भेंट चढ़ गया। अडानी समूह के खिलाफ अमेरिकी अभियोजकों के रिश्वतखोरी के आरोपों की जांच के लिए जेपीसी गठित करने की मांग, मणिपुर में ताजा हिंसा, दिल्ली में बढ़ता वायु प्रदूषण और संभल में हुई हिंसा के मुद्दे पर चर्चा के लिए अड़े विपक्ष ने भारी हंगामा किया। इस कारण दोनों सदनों की कार्यवाही एक-एक बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। दरअसल संसद का कोई भी सत्र हो, उसकी शुरुआत हंगामे से होना एक परंपरा का रूप ले चुका है। यह एक खराब परंपरा है, लेकिन यह इसके बाद भी जारी है कि इससे किसी को कुछ हासिल नहीं होता-उस विपक्ष को भी नहीं, जो हंगामा करता है। विडंबना यह है कि वह हंगामे को अपनी जीत की तरह प्रस्तुत करता है। संसद में इस या उस मुद्दे के बहाने हंगामा करना एक राजनीतिक स्वभाव बन गया है। जब जो दल विपक्ष में होता है, वह हंगामा करना पसंद करता है और वह भी तब, जब वह सत्ता में रहते समय हंगामे से त्रस्त हो चुका होता है। इस पर हैरानी नहीं कि संसद के शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन दोनों सदनों में हंगामा हुआ। विपक्ष को हंगामा मचाने की इतनी जल्दी थी कि दिवंगत सांसदों को श्रद्धांजलि देने के तुरंत बाद ही हंगामा किया जाने लगा। क्या इसलिए कि उसकी पहली प्राथमिकता हंगामा करना ही था? संसद के आने वाले दिन भी हंगामे भरे हों तो आश्चर्य नहीं, क्योंकि विपक्ष ने पहले ही संकेत दे दिया था कि वह इन-इन मुद्दों को संसद में उठाएगा। विपक्ष यदा-कदा अपने हिसाब से ज्वलंत मुद्दों को उठाता है, लेकिन उन पर सार्थक बहस करने और सरकार से जवाब मांगने के बजाय उसकी दिलचस्पी इसमें अधिक होती है कि संसद चलने न पाए। आम तौर पर विपक्ष संसद में सरकार को घेरने के लिए मुद्दों का चयन खुद नहीं करता। वह उन मुद्दों को लेकर आगे आ जाता है, जो संसद सत्र के पहले से ही चर्चा में आ गए होते हैं। यह पहले से तय था कि मणिपुर और अडानी प्रकरण के साथ संभल का मामला भी विपक्ष की कार्यसूची में आ जाएगा। ऐसे मामले उसकी कार्यसूची में होने ही चाहिए, लेकिन क्या उसके लिए यह भी आवश्यक नहीं कि वह अपने स्तर पर जनता से जुड़े कुछ मुद्दों का चयन करे और इसके लिए प्रयत्न करे कि सरकार उन पर जवाब दे? शिक्षा, स्वास्थ्य, शहरीकरण समेत न जाने कितने ऐसे विषय हैं, जिन पर संसद में व्यापक विचार-विमर्श होना चाहिए। पता नहीं क्यों विपक्ष इन विषयों पर संसद में चर्चा के लिए गंभीर नहीं दिखता? विपक्ष हंगामा कर संसद को बाधित करते रह सकता है, लेकिन वह ऐसा करके जनता का ध्यान अपनी ओर आकर्षित नहीं कर सकता। जनता हंगामा नहीं, राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सरकार का जवाब चाहती है। बड़ा सवाल यह है कि लोकसभा चुनाव में हजारों हजार करोड़ रुपये का खर्च क्या महज इसलिए किया जाता है कि सदन में विधाई कामकाज या कहें कि सकारात्मक नीति निर्धारण पर बहस बहुत कम और अराजकता बहुत ज्यादा होती है। राज्यसभा के लिए चुनाव सीधा नहीं होता, लेकिन उसमें भी आम आदमी का पैसा खर्च तो होता ही है। हालांकि लोकसभा चुनाव के मुकाबले बहुत कम। इसके अलावा सांसदों के वेतन, भत्ते, बाद में पेंशन और सांसदों के आवासों के रख-रखाव और दूसरी सुख-सुविधाओं, चुनाव आयोग (राज्यों में भी) के संचालन में होने वाला सामान्य खर्च, इत्यादि पर आने वाली लागत भी जोड़ दी जाएं, तो आंकड़ा क्या होगा, आप सोच भी नहीं सकते। इसके अलावा लोकसभा और राज्यसभा के संचालन पर आने वाले खर्च, संसदीय कर्मचारियों, अधिकारियों के वेतन, संसदीय कार्यवाही के प्रकाशन, प्रसारण, संग्रहण, संसदीय समितियों की कार्यवाही, संसद भवन और संसद से जुड़ी दूसरी बहुत सी इमारतों के रख-रखाव, संसद की सुरक्षा इत्यादि के खर्च के बारे में क्या आप अनुमान भी लगा सकते हैं? क्या देश के सरकारी खजाने पर लाखों करोड़ रुपये का इतना बड़ा बोझ सिर्फ इसलिए डाला रहा है कि संसद को हर समय युद्ध के मैदान में ही तब्दील रखा जाए? साथ ही आम चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की जेब से होने वाला निजी खर्च और पार्टियों के संस्थागत खर्च पर,चुनाव से इतर कार्यक्रमों और दूसरी गतिविधियों पर भी अच्छी-खासी रकम खर्च की जाती है।

संभल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से उपजे जटिल सवाल

संभल की स्थानीय अदालत ने उस याचिका पर जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि मुगल बादशाह बाबर ने इस मस्जिद का निर्माण एक मंदिर के स्थान पर किया था। स्थानीय अदालत के आदेश पर इसी मंगलवार को जब प्रारंभिक सर्वे किया गया था तब भी इलाके में तनाव फैला था, लेकिन उसे दूर कर लिया गया था। समझना कठिन है कि गत दिवस सर्वे के दौरान ऐसे प्रयास क्यों नहीं किए गए जिससे किसी तरह की अव्यवस्था और अशांति न फैलने पाए।

यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं त्रासद है कि उत्तरप्रदेश के संभल में एक बार फिर एक संप्रदाय विशेष के लोगों ने जो हिंसा, नफरत एवं द्वेष को हथियार बनाकर अशांति फैलाई, वह भारत की एकता, अखंडता एवं भाईचारे की संस्कृति को क्षति पहुंचाने का माध्यम बनी है। स्थानीय अदालत के आदेश पर एक मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा एवं उन्माद का भड़क उठना और इसके चलते तीन लोगों की जान चले जाना, चुनौतीपूर्ण, विडंबनापूर्ण एवं शर्मनाक है। इस घटना में कई अन्य लोग घायल भी हुए, जिनमें 30 से अधिक पुलिसकर्मी भी हैं। इस हिंसा को टाला जा सकता था यदि अदालत के आदेश पर हो रहे सर्वेक्षण का हिंसक विरोध नहीं किया जाता। ध्यान रहे कि जब ऐसा होता है तो बैर बढ़ने के साथ देश की छवि पर भी बुरा असर पड़ता है। निःसंदेह इस संप्रदाय विशेष को भी यह समझने की आवश्यकता है कि जब देश कई चुनौतियों से दो-चार है, तब राष्ट्रीय एकता एवं सद्भाव को बल देना सबकी पहली और साझी प्राथमिकता बननी चाहिए। एक उन्मादी, विभाजित और वैमनस्यग्रस्त समाज न तो अपना भला कर सकता है और न ही देश को आगे ले जा सकता है। समय आ गया है कि उन मूल कारणों पर विचार किया जाए, जिनके चलते सांप्रदायिक तनाव, नफरत एवं द्वेष बढ़ाने वाली घटनाएं थम नहीं रही हैं। संभल की स्थानीय अदालत ने उस याचिका पर जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि मुगल बादशाह बाबर ने इस मस्जिद का निर्माण एक मंदिर के स्थान पर किया था। स्थानीय अदालत के आदेश पर इसी मंगलवार को जब प्रारंभिक सर्वे किया गया था तब भी इलाके में तनाव फैला था, लेकिन उसे दूर कर लिया गया था। समझना कठिन है कि गत दिवस सर्वे के दौरान ऐसे प्रयास क्यों नहीं किए गए जिससे किसी तरह की अव्यवस्था और अशांति न फैलने पाए। रविवार को सर्वे के दौरान जिस तरह पुलिस पर पथराव किया गया और वाहनों में तोड़फोड़ करने के साथ उन्हें आग के हवाले किया गया, उससे लगता है कि कुछ उन्मादी तत्वों ने उपद्रव की तैयारी कर रखी थी। ऐसी घटनाएं सामाजिक तानेबाने को क्षति पहुंचाने के साथ कानून एवं व्यवस्था के समक्ष चुनौती भी खड़ी करती हैं। यह चिंता की बात है कि यह एक चलन सा बनता जा रहा है कि जब सार्वजनिक स्थलों पर कोई धार्मिक आयोजन होता है, किसी अदालती आदेश पर जांच कार्य होता है तो प्रायः पहले किसी बात को लेकर विवाद होता है और फिर हिंसा शुरू हो जाती है। कई बार तो यह हिंसा बड़े पैमाने पर और किसी सुनियोजित साजिश के तहत होती दिखती है। उत्तरप्रदेश के संभल में हुई भीषण हिंसा यही संकेत करती है कि उसे लेकर पूरी तैयारी की गई थी। संभल की ताजा घटनाओं के मूल में भड़काऊ नारे एवं संकीर्ण धार्मिकता के मनसूंबे सामने आए हैं। इस तरह की घटनाओं का बार-बार होना अच्छा नहीं है, मंदिर-मस्जिद के एक और मामले ने तनाव की स्थिति उत्पन्न करके शांति एवं सौहार्द को खण्डित किया। यदि मस्जिद पक्ष का यह मानना है कि जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश सही नहीं तो उसे ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए था। अदालत के आदेश की अवहेलना करने के लिए हिंसा का सहारा लेने का कहीं कोई औचित्य नहीं और तब तो बिल्कुल भी नहीं जब निचली अदालत के किसी फैसले के खिलाफ ऊंची अदालतों में जाने का रास्ता खुला हो। यह भी देखा जाना चाहिए कि क्या कुछ राजनीतिक दल एवं संप्रदाय विशेष के लोग किसी भी बहाने भड़कने और हिंसा करने के लिए तैयार बैठे रहते हैं? वास्तव में जैसे यह एक सवाल है कि क्या भारतीय संस्कृति के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़े इन धार्मिक स्थलों के नाम पर पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी करना जरूरी समझ लिया गया है? इन प्रश्नों पर संकीर्ण धार्मिकता से परे होकर गंभीरता के साथ विचार होना चाहिए। इसी तरह पुलिस प्रशासन को भी यह देखना होगा कि वैमनस्य बढ़ाने वाली घटनाएं क्यों बढ़ती चली जा रही हैं?

यह सही है कि 1991 का पूजा स्थल अधिनियम किसी धार्मिक स्थल में बदलाव का निषेध करता है, लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह अधिनियम ऐसे किसी स्थल के सर्वेक्षण की अनुमति भी प्रदान करता है और इसी कारण वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण हुआ और धार में भोजशाला परिसर का भी। मथुरा में ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। मंदिर-मस्जिद के विवाद नए नहीं हैं। इन विवादों को सुलझाने की आवश्यकता है।

इसका एक तरीका न्यायपालिका का सहारा लेना है और दूसरा आपसी सहमति से विवाद को हल करना। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जहां भी ऐसे विवाद हैं, उन्हें दोनों समुदाय आपस में मिल-बैठकर हल करें। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि समाज में सद्भाव, सौहार्द एवं शांति बनी रहेगी। यह समझा जाना चाहिए कि इन दोनों उपायों के अतिरिक्त हिंसा एवं नफरत कोई उपाय नहीं है। इसी के साथ यह भी समझना होगा कि देश को अतीत से अधिक भविष्य की ओर देखने और मंदिर-मस्जिद विवादों से बाहर निकलने की आवश्यकता है। इससे इन्कार नहीं कि विदेशी आक्रमणकारियों ने अनगिनत मंदिरों का ध्वंस किया। अतीत में हुए इन ज्यादतियों, अत्याचारों एवं विध्वंस घटनाक्रमों को सुधारने की संभावनाएं किसी भी दृष्टि से गलत नहीं कही जा सकती। देश का चरित्र बनाना है तथा स्वस्थ, सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण समाज की रचना करनी है तो हमें एक ऐसी आचार संहिता को स्वीकार करना होगा जो जीवन में पवित्रता दे। राष्ट्रीय प्रेम व स्वस्थ समाज की रचना की दृष्टि दे एवं कदाचार-संकीर्णता-कट्टरता के इस अंधेरे कुएं से निकाले। बिना इसके देश का विकास और भौतिक उपलब्धियां बेमानी हैं। व्यक्ति, परिवार और राष्ट्रीय स्तर पर हमारे इरादों की शुद्धता महत्व रखती है, जबकि हमने इसका राजनीतिकरण कर परिणाम को महत्व दे दिया। घटिया उत्पादन के पर्याय के रूप में जाना जाने वाला जापान आज अपनी जीवन शैली को बदल कर उत्कृष्ट उत्पादन का प्रतीक बन विश्वविख्यात हो गया। यह राष्ट्रीय जीवन शैली की पवित्रता का प्रतीक है। इसी तरह भारत भी आज विश्वविख्यात होने की दिशा में अग्रसर हो रहा है, तो उसकी बढ़ती साख एवं समझ को खण्डित करने वाली शक्तियों को सावधान करना ही होगा। भारत जैसी माटी में जन्म लेना बड़ी मुश्किल से मिलता है। विश्व बंधुत्व एवं वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा वाला यह राष्ट्र विभिन्न संस्कृतियों एवं सम्प्रदायों को अपने में समेटे है तो यह यहां के बहुसंख्यक समुदाय की उदार सोच का ही परिणाम रहा है, इसी बहुसंख्यक हिन्दू समुदाय को आखिर कब तक कमजोर किया जाता रहेगा? क्यों किया जायेगा? कल पर कुछ मत छोड़िए। कल जो बीत गया और कल जो आने वाला है- दोनों ही हमारी पीठ के समान हैं, जिसे हम देख नहीं सकते। आज हमारी हथेली है, जिसकी रेखाओं को हम देख सकते हैं। अब हथेली की रेखाओं को कमजोर करने एवं उसे लहूलुहान होते हुए नहीं देखा जा सकता? एक सम्प्रदाय विशेष के हिंसक हमलों ने आज तेजी के साथ हिंसा, असहिष्णुता, नफरत, बिखराव और घृणा की साम्प्रदायिक जीवन शैली का रूप ग्रहण कर लिया है। यह खतरनाक स्थिति है, कारण सबको अपनी-अपनी पहचान समाप्त होने का खतरा दिख रहा है। भारत मुस्लिम सम्प्रदायवाद से आतंकित रहा है। आवश्यकता है धर्म को प्रतिष्ठापित करने के बहाने राजनीति का खेल न खेला जाए। धर्म और सम्प्रदाय के भेद को गड्मड् न करें। धर्म सम्प्रदाय से ऊपर है। धर्म में धार्मिकता आये, कट्टरता न आये। राजनीति में सम्प्रदाय न आये, नैतिकता आए, आदर्श आए, श्रेष्ठ मूल्य आएँ, सहिष्णुता आये, सह-अस्तित्व के प्राचीन मूल्य एवं जीवनशैली आये। अतः सम्प्रदायवाद से ऊपर उठकर सार्वभौम धर्म का साक्षात्कार ही हममें नवीन आत्मविश्वास, सशक्त भारत-विकसित भारत का संचार करेगा। उपनिषदों में कहा गया है कि सभी मनुष्य सुखी हों, सभी भयमुक्त हों, सभी एक-दूसरे को भाई समान समझें। यह भारतीय धर्म चिन्तन का निचोड़ है और यही हिन्दू धर्म का निचोड़ है। जहां विश्व एक ही नीड़-सा लगे। भारत में हिन्दू-मुस्लिम हित परस्पर टकरा रहे हैं, इसलिए साम्प्रदायिकता बढ़ रही है। धार्मिकता नष्ट हो रही है। साम्प्रदायिकता का जन्म अनेक जटिल तत्वों से जुड़ा है- आर्थिक, धार्मिक एवं मनोवैज्ञानिक। इसमें मनोवैज्ञानिक ज्यादा महत्वपूर्ण है। हमारा जीवन दिशासूचक बने। गिरजे पर लगा दिशा-सूचक नहीं, वह तो जिधर की हवा होती है उधर ही घूम जाता है। कुतुबनुमा बने, जो हर स्थिति में सही दिशा बताता है।

यूं ही नहीं उपजा यह जनादेश...

नई दिल्ली के एक 'पॉवर डिनर' में वे दोनों मिले। ये महानुभाव लंबे समय तक एक-दूसरे के विपरीत गठबंधनों की केंद्रीय कैबिनेट का हिस्सा रहे हैं। दोनों ने पूछा, महाराष्ट्र के चुनावों में क्या होने वाला है? मैंने विनम्रतापूर्वक प्रतिप्रश्न किया- आप बताइए, आप तो राजनीति के अंदरूनी तंत्र का हिस्सा हैं।

पहले सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्य को सुनिए। उन्होंने कहा- हम ही सरकार बनाएंगे, क्योंकि मोदीजी के पास कोई न कोई सिद्धि जरूर है। वे हर मुसीबत से निकल आते हैं। यह चुनाव उनकी सिद्धि का अगला चरण साबित होगा। विपक्षी टोली के सदस्य का जवाब था- भाई, मैंने तो हरियाणा के बाद आकलन ही छोड़ दिया है। भाजपा वाले आखिरी तीन दिनों में पता नहीं कौन सा जादू करते हैं कि सारा किया-धरा चौपट हो जाता है। संयोगवश, वह उस दिन मुंबई से लंबी चुनाव-चर्चाएं करके लौटे थे। पांच दशक से अधिक लंबी सियासी पारी खेल चुके इन पुरोधाओं के शब्दों पर गौर कीजिए- सिद्धि! जादू! क्या मतलब है इनका?

सत्ता पक्ष के प्रतिनिधि का आशय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की किसी दैवीय सिद्धि से नहीं, बल्कि अद्भुत सियासी कौशल और आम आदमी के मानस की समझ से था। इसी के चलते भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता मानते हैं कि किसी चुनाव में अगर हमारी सीटें कम रह जाएंगी, तो अगला चुनाव उसकी भरपाई कर देगा। यह भाव उन्हें न केवल आत्मविश्वास देता है, बल्कि एकजुट होकर जूझने के लिए प्रेरित भी करता है। महाराष्ट्र के चुनावों और उत्तरप्रदेश के उप-चुनावों ने साबित कर दिया है कि पिछले लोकसभा चुनावों में मिले झटकों से भाजपा की अगुवाई वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन उबर चुका है। इन दोनों राज्यों में भाजपा को करारा झटका मिला था।

विपक्षी टोले के नेता का जवाब भी यही दर्शाता है कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक विजय हासिल करने योग्य आत्मविश्वास नहीं संजो पा रहे हैं।

महाराष्ट्र का यह विजयनामा यूं ही नहीं लिखा गया। जीत की राह वाकई कठिन थी। जब से एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने अपने-अपने मूल दलों से अलग होकर भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा था, तभी से माना जाता था कि वे जनता की नजर में खलनायक साबित होंगे। उद्धव ठाकरे और शरद पवार ने इस सहानुभूति तत्व का लाभ उठाने की हर चंद कोशिश की, पर वे नाकाम साबित हुए। क्यों? लोकसभा चुनावों में सरकार के खिलाफ हुई मराठा लामबंदी को महायुति ने इस बार सफलतापूर्वक रोका। इसी के साथ अजित पवार को मुस्लिमों में पैठ बनाने के लिए प्रेरित किया गया। इससे आघाड़ी को सांघातिक आघात पहुंचा। चुनाव से चार महीने पूर्व लागू लाडकी बहिण योजना ने महिलाओं का मन मोह लिया। महिलाएं चुनाव-दर-चुनाव बतौर वोट बैंक अपनी ताकत जमाती जा रही हैं। झारखंड में इनका साथ हेमंत सोरेन को मिला। उन्होंने भी मंत्रइयां सम्मान योजना के जरिये आधी आबादी में दखल बनाई थी। इन चुनावों ने साबित कर दिया है कि जीत के लिए विरासत और सहानुभूति काफी नहीं होते। जमीन पर काम भी करना पड़ता है।

महाराष्ट्र में भाजपा ने इस बार कोई जोखिम मोल नहीं लिया। गृह मंत्री अमित शाह की अगुवाई में टिकट बंटवारे और सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे के जटिल कार्य को समझदारी और सावधानी के साथ सिरे तक पहुंचाया गया। नतीजा सामने है। भारतीय जनता पार्टी का स्ट्राइक रेट अगर 89 फीसदी है, तो शिंदे 71 और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस 77 के साथ उसमें इजाफा कर रही है। परिणाम आने के बाद अब भले शिंदे, अजित पवार और फडणवीस के नाम मुख्यमंत्री पद के लिए उछाले जा रहे हैं, पर चुनाव तक वे इस मुद्दे पर सार्वजनिक तौर पर वाचाल न थे। इसके विपरीत महाविकास आघाड़ी में जितने बर्तन थे, उतनी ही ध्वनियां निकल रही थीं। यही वजह है कि उनका मतदाता उनसे छिटक गया। इस चुनाव में यह भी साबित हो गया कि दलबदल और भ्रष्टाचार बड़े मुद्दे नहीं रह बचे हैं, क्योंकि सभी पार्टियों में दलबदलू थे। चुनाव से ठीक एक दिन पहले भारतीय जनता पार्टी के ताकतवर महासचिव विनोद तावडे पर नोट बांटने के आरोप लगे। सुप्रिया सुले और नाना पटोले के कथित ऑडियो टेप सामने आए। पुलिस और चुनाव आयोग के दरवाजे खटखटाए गए, पर कोई हलचल न हुई। यही नहीं, चुनाव आयोग ने 18 नवंबर तक 1,100 करोड़ रुपये की शराब, ड्रग्स, आभूषण अथवा कीमती उपहार जब्त किए। यह रिकॉर्डतोड़ आंकड़ा है। हमारी राजनीति में धन-बल और छल अब प्रमुख तत्व के तौर पर उभर चुके हैं।

सवाल उठता है कि यह जतन झारखंड में क्यों नहीं काम आया? इसकी कई वजहें हैं। महाराष्ट्र की भांति यहां पर जितनी पार्टियां, उतने नेता नहीं थे। साथ ही इंडिया ब्लॉक के अन्य घटक दलों में हेमंत सोरेन के कद का कोई नेता नहीं था। इससे भ्रम नहीं फैला। चुनाव से कुछ महीने पहले उनकी गिरफ्तारी ने भी एंटी इनकंबेन्सी को खत्म कर दिया। भारतीय जनता पार्टी ने यहां पर महाराष्ट्र की शैली में तोड़-फोड़ जरूर की, परंतु चंपाई सोरेन वह काम नहीं कर सके, जो अजित पवार या एकनाथ शिंदे ने किया। भाजपा ने इस बार बाबूलाल मरांडी को आगे कर यह संदेश देने की कोशिश की कि वह आदिवासियों के साथ है, लेकिन हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी और उनकी गैर-मौजूदगी में कल्पना सोरेन की कारगर सक्रियता मरांडी पर महंगी पड़ी। एक बात और। झारखंड के परिणाम ने यह साबित कर दिया है कि अधिसंख्य हिंदीभाषी प्रदेशों में कांग्रेस अपने अकेले दम पर जीतने की शक्ति गंवा रही है। वह किसी हेमंत सोरेन, तेजस्वी यादव या अखिलेश यादव का मार्ग तो प्रशस्त करती है, परंतु उसकी निजी शक्ति छीजती जा रही है।

झारखंड के झटके के बावजूद यह तय है कि भारतीय जनता पार्टी अब नए जोश-खरोश के साथ अगले चुनावों की तैयारी करेगी। इसका सबसे बड़ा लाभ तो यह होगा कि एनडीए के सहयोगी अब और संजीदगी से मोदी सरकार का साथ देंगे। इससे प्रधानमंत्री को अपने कार्यक्रम तेजी से लागू करने में मदद मिलेगी। यहां यह सवाल भी उठता है कि एकनाथ शिंदे का क्या होगा? उन्होंने उद्धव के मुकाबले खुद को स्थापित अवश्य किया, पर बाला साहेब का स्वाभाविक उत्तराधिकारी बनना शेष है। अगर वह मुख्यमंत्री नहीं बनते हैं, तो उन्हें आने वाले दिनों में नई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। रही बात विपक्ष की, तो वह भी इस पटखनी के बाद धूल झाड़कर यह कहते हुए खड़ा हो सकता है कि लोकसभा के बाद हुए चार विधानसभा चुनावों में दो हमने भी जीते। प्रियंका गांधी वाड्रा भी वायनाड से चुन ली गई हैं। क्या वह राहुल गांधी के साथ मिलकर कांग्रेस में नई स्फूर्ति का संचार कर सकेंगी? तय है, विपक्ष को झटका लगा है, पर उखड़ती सांस सम्हालने का अवसर अभी भी उसके पास है। लोकतंत्र की यही तो खूबी है कि यहां हरेक के लिए हमेशा स्पेस बना रहता है।

मासूमों के लिए लापतागंज बनती दुनिया

एक तरफ तो आज की डिजिटल दुनिया आधुनिक संचार माध्यमों और परिवहन साधनों की बदौलत ग्लोबल विलेज में तब्दील हो गई है। दूसरी तरफ इसी दुनिया में भारत से हर दिन हजारों की संख्या में बच्चे लापता हो रहे हैं। ऐसे दौर में जब हर कहीं पलक झपकते सूचना पहुंच जाती हो, जब हर कहीं कैमरे की पहुंच हो गई हो तो हर साल देशभर से लगभग 80,000 से ज्यादा बच्चों के गायब होने का क्या मतलब है? राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के दिसंबर 2023 में जारी आंकड़े बताते हैं कि साल 2022 में 83,350 बच्चे गायब हुए, जिनमें 20,380 लड़के व 62,946 लड़कियां और 24 ट्रांसजेंडर थे। इनमें ज्यादातर तलाश भी लिए गये लेकिन 2781 बच्चे हमेशा हमेशा के लिए ओझल हो गये। जबकि इसके पहले एनसीआरबी ने जो डाटा 2022 में पेश किया था, उसमें लापता हुए बच्चों की संख्या 76,069 थी। मतलब साफ है कि अगले एक साल में लापता हुए बच्चों की संख्या में तकरीबन 6000 की बढ़ोतरी हो गई। जबकि 2021 में गायब होने वाले बच्चों की संख्या सिर्फ 33,650 थी। इन आंकड़ों से पता चलता है कि बच्चों के गायब होने की संख्या में भारी बढ़ोतरी हो रही है। सवाल है एक तरफ जहां बच्चों की सुरक्षा के लिए हर साल नई से नई बातें कही जाती हैं, कसमें खायी जाती हैं और आधुनिक से आधुनिक उपकरण लगाकार सुरक्षा व्यवस्था की जाती है। फिर भी मासूमों के गायब होने के सिलसिले में जरा भी कमी आने की बजाय बढ़ोतरी क्यों रही है? अगर इस मामले में हम एनसीआरबी के आंकड़ों की जगह उन गैरसरकारी संस्थाओं पर यकीन करें, जो बच्चों के लापता होने की समस्या में काम करती हैं, तो बच्चों के गायब होने की वास्तविक संख्या इससे ज्यादा है। इनके मुताबिक तो हर साल 80-85 हजार नहीं बल्कि कई लाख बच्चे गायब हो रहे हैं। यही वजह है कि आज देश में हर एक मिनट में कम से कम दो बच्चे गायब हो रहे हैं। घर से बिछुड़कर आखिर ये मासूम कहां चले जाते हैं? क्योंकि जो बच्चे अगले एक महीने तक नहीं मिलते, घरों से गायब होने वाले ऐसे बच्चों के घर वापस न आने की आशंका करीब सौ फीसदी हो जाती है। जो बच्चे गायब होने के बाद मिल जाते हैं, उनके बारे में तो हम थोड़ा-बहुत जानते भी होते हैं कि इन्हें कौन और कैसे बहला-फुसलाकर ले गया था। लेकिन जो बच्चे कभी लौटकर आये ही नहीं, उनके बारे में मां-बाप कुछ भी नहीं जानते। संचार के साधनों के बावजूद एक-डेढ़ फीसदी बच्चे गायब होने के बाद कभी वापस नहीं आते। हालांकि अपराधियों की धड़पकड़ में हाल के सालों में इजाफा हुआ है। पुलिस के पास आज पहले के मुकाबले जांच पड़ताल के बेहतर संसाधन हैं, इसके बाद भी गायब बच्चों की एक तय संख्या लौटकर घर नहीं आती, तो आखिर उनका होता क्या है? उनका कोई सुराग क्यों नहीं मिलता? नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ऑफ इंडिया के डाटा विश्लेषण के मुताबिक हर दिन हजारों की संख्या में गायब होने वाले बच्चों में से बहुत मामूली संख्या में ही बच्चे लौटकर आ पाते हैं।

जनजातीय समाज, राष्ट्रपति भवन, शिक्षा मंत्रालय और मध्यप्रदेश के साथ कुलपति ने छल किया

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को लिखित शिकायत

अनूपपुर, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार, घोटाला के साथ कुलपति प्रो श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी द्वारा जनजातीय समाज, शिक्षा मंत्रालय, राष्ट्रपति भवन के साथ छल करने की लिखित शिकायत ने राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व विभाग संगठन मंत्री तथा मध्य क्षेत्र (मालवा, मध्य भारत, महाकौशल, छत्तीसगढ़ प्रांत) के स्वावलंबन केंद्र प्रमुख मोरध्वज पैकरा किया है।

रिजल्ट फिक्सिंग तथा चोरी-छुपे जोइनिंग प्रक्रिया करवा रहे है कुलपति मोरध्वज पैकरा ने बताया की मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के युवा, अत्यंत पीड़ा और चिंता में हैं। विश्वविद्यालय में हाल ही में विभिन्न पदों (मल्टी-टास्किंग स्टाफ, लैबोरेट्री अटेंडेंट, जूनियर इंजीनियर, लाइब्रेरी अटेंडेंट, लैबोरेट्री असिस्टेंट आदि) के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। परंतु यह जानकारी विश्वसनीय सूत्रों से सामने आई है कि इस परीक्षा का परिणाम फिक्सिंग के माध्यम से पहले से ही तय कर लिया गया है। परीक्षा परिणाम को गुपचुप तरीके से कुछ उम्मीदवारों को पहले से ही बता दिया गया है, जिनकी नियुक्ति चोरी-छिपे कराई जा रही है। यह ईमानदार और योग्य उम्मीदवारों के साथ विश्वासघात है। लिखित परीक्षा का परिणाम अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन अंदर ही अंदर चयनित उम्मीदवारों को गुप्त रूप से जॉइनिंग की प्रक्रिया पूरी करने के लिए तैयार किया जा रहा है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सीधे-साधे युवाओं को इस पूरी प्रक्रिया से वंचित किया जा रहा है, जो कि जनजातीय क्षेत्र के विकास के उद्देश्य के विरुद्ध है।

जनजातीय समाज के प्रतिनिधित्व को जानबूझकर उपेक्षित किया गया मोरध्वज पैकरा ने बताया कि फर्जी कार्यपरिषद न केवल विश्वविद्यालय अधिनियम का उल्लंघन है, बल्कि इसके माध्यम से कई गंभीर अपराध किए गए हैं, विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 24(2) का उल्लंघन कर कार्य परिषद में जनजातीय सदस्यों की पर्याप्त संख्या सुनिश्चित नहीं की गई। फर्जी और पक्षपातपूर्ण नियुक्तियां कर अधिनियम के उद्देश्य को हानि पहुंचाई गई। फर्जी सॉफ्टवेयर से परीक्षा आयोजित कर हजारों छात्रों को ठगा गया, तथा अवैध ढंग से नियमित पदों पर भर्ती की जा रही है। अवैध नियुक्तियां, भ्रष्टाचार, और निविदा (टेंडर) प्रक्रिया में घोटाले किए गए। रोस्टर प्रणाली का उल्लंघन कर अनुसूचित जाति/जनजाति के पदों को सामान्य वर्ग में बदलकर धन लाभ अर्जित किया गया। विश्वविद्यालय में नियमित पदों पर अवैध तरीके से लिखित परीक्षा आयोजित कर छात्रों को धोखा देना है।

मुख्यमंत्री तथा मुख्य सचिव को वास्तविक स्थिति की जानकारी देना स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी मोरध्वज पैकरा ने बताया की कुलपति द्वारा ऐसी प्रक्रियाएं अपनाई जा रही हैं जो विश्वविद्यालय की गरिमा और प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल खड़े करती हैं। स्थानीय जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की नैतिक जिम्मेदारी है कि लिखित शिकायत मिलने के पश्चात तत्काल प्रभाव से जांच कर इस पूरी भर्ती प्रक्रिया और लिखित परीक्षा पर के परिणाम घोषित करने पर रोक लगवाए अन्यथा आम युवाओं का प्रशासन और सरकार से विश्वास उठने लगेगा जो भविष्य के लिए घातक हो जाएगा। यह प्रकरण न केवल विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि क्षेत्रीय युवाओं में गहरी असंतोष और पीड़ा उत्पन्न कर रहा है। इस प्रकरण की जांच के लिए एक स्वतंत्र और निष्पक्ष समिति का गठन किया जाए। जिले के प्रभारी मंत्री इस मामले में कोई भी बयान या जांच के लिए आदेश नहीं दिए हैं जिससे युवाओं को प्रदेश सरकार के प्रति असंतोष की भावना उत्पन्न हो रही है, प्रभारी मंत्री को चाहिए कि आम युवाओं के लिए न्याय हेतु जांच का आदेश करें, योग्य और मेहनती उम्मीदवारों के साथ न्याय हो, और किसी भी प्रकार की अनुचित नियुक्तियों को रद्द किया जाए।

कुलपति ने असंवैधानिक गतिविधि से कार्य परिषद के चार फर्जी सदस्य नामित किया मोरध्वज पैकरा ने बताया कि विश्वविद्यालय के एक्ट के अनुसार कार्य परिषद के गठन में मातृ एनजीओ, साहित्यिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों से चार सदस्य नामित किये जाते है, लेकिन प्रो श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी ने शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार से अनुमति लिए बगैर अपने परिचित एवं रिश्तेदारों को कार्य परिषद का सदस्य बना दिया है, कुलपति के परिचित यही चार सदस्य तथा कुछ आमंत्रित सदस्य मिलकर कोरम पूरा करके कार्य परिषद की फर्जी गतिविधियां संचालित कर रहे हैं, विश्वविद्यालय में कुलपति द्वारा डीन कोटा से भी फर्जीवाडा करके सदस्य नामित किया गया है। दो सदस्य विश्वविद्यालय कोर्ट से नामित होते है लेकिन कुलपति ने षडयंत्रपूर्वक विश्वविद्यालय के कोर्ट के गठन के लिए किसी भी प्रकार का पहल या अनुरोध मंत्रालय में नहीं भेजा और ना ही मंत्रालय को यह सूचित किया कि विश्वविद्यालय कोर्ट का गठन आवश्यक है, शिक्षा मंत्रालय के अवर सचिव से सेटिंग करके इस फाइल की प्रोसेसिंग को रुकवा लिया है जिसके कारण कोर्ट से दो निर्वाचित सदस्य इसमें सम्मिलित नहीं हो पाते हैं। कुछ एक्सटेंसन भी गैरकानूनी रूप से दिए है।

नेक मान्यता समाप्त होना तथा प्रत्यक्ष रूप में एक भी दीक्षांत समारोह का ना होना शर्मनाक मोरध्वज पैकरा ने बताया कि पिछले 5 वर्षों में प्रत्यक्ष रूप में एक भी दीक्षांत समारोह का ना होना तथा नेक मान्यता समाप्त होना कुलपति के एकेडमिक शून्य होने का प्रमाण है, चूँकि कुलपति केवल नियुक्ति घोटाला, फर्जीवाड़ा, भ्रष्टाचार में व्यस्त रहे, जनजातीय कल्याण के लिए बनाए गए इस विश्वविद्यालय में जनजातियों का बड़े पैमाने पर नुकसान कर दिया है. कुलपति का कृत्य अक्षम्य अपराध की श्रेणी में आता है और इस मामले में शिक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री को गंभीरता से ध्यान देकर तत्काल कार्रवाई करना चाहिए।

पद के दुरुपयोग का मामला है मोरध्वज पैकरा ने बताया कि प्रो. श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी कुलपति पद का दुरुपयोग कर जनजातीय हितों को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची गई। कार्य परिषद की बैठक में फर्जी कोरम पूरा किया गया और कूट रचित मिनिट्स तैयार किए गए। फर्जी नियुक्ति, अधिनियम के विपरीत शैक्षणिक पदों पर भर्ती, युजीसी के डेवलपमेंट फंड का जबरदस्त दुरूपयोग, अवैध टेंडर प्रक्रिया, जनजातीय समाज के गार्ड तथा सफाई कर्मियों के वेतन से गबन कर अत्यंत निम्न स्तर का भ्रष्टाचार और निर्माण घोटाले किये गए है। कार्य परिषद की बैठकों के मिनट्स सार्वजनिक रूप से वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं हैं। मंत्रालय के निर्देशों के बावजूद कार्यकाल समाप्त होने के निकट भर्तियां की गईं। कुलपति पद के पावर का दुरुपयोग कर जनजातीय समाजएवं ईष्यावश कार्यवाही से एक्ट के विरुद्ध जाकर हानि पहुँचाने की दुर्भावनापूर्ण गतिविधियां संचालित कर रहे है।

मोरध्वज पैकरा
मध्य क्षेत्र, स्वावलंबन केंद्र प्रमुख
पूर्व संगठन मंत्री, बस्तर विभाग, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्
रायपुर, छत्तीसगढ़

मार्केट कि पांच दुकानों में अचानक लगी आग,लाखों का सामान जलकर हुआ राख

आगजनी की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची विधायक पीड़ित दुकानदारों से मिलकर दिलाया हर संभव मदद आश्वासन

सिटी चीफ | लाकेश पंचेश्वर

लालबर्रा, मुख्यालय बसस्टैण्ड के पीछे बर्तन दुकान वाली लाईन में पांच दुकानों में रविवार व सोमवार कि रात्रि दरमियान अचानक आग लग गई,इस भीषण आग में दुकान में रखी सभी सामग्री जलकर राख हो गई,जिस वजह से दुकानदारों को लाखों रुपए का नुक़सान हुआ है वहीं जानकारी अनुसार आगजनी कि घटना रात्रि 1 बजे व पांच के बीच कि बताई जा रही है,जैसे हि सुबह आगजनी घटना कि जानकारी लोगों को लगी हड़कंप सा मच गया है सभी लोगों कि तरफ से एक हि सवाल उठ रहा था कि आखिरकार आग कैसे लग गई आग लगने का कारण अज्ञात बताया जा रहा है।

जैसे जैसे घटना कि जानकारी लग रही थी वैसे वैसे सुबह मुख्यालय में भीड़ एकत्रित हो रही थी अग्निशामक यंत्र के माध्यम से आग को काबू पाया गया लेकिन दुकान में रखा सारा समान जलकर राख हो गया है।

स्थानीय जनप्रतिनिधि,दुकान दार व सरकारी अमला व पुलिस प्रशासन भी मौके पर पहुंचे। जिसमें कन्हैया लाल टेकाम तहसीलदार लालबर्रा,हेमंत नायक थाना प्रभारी लालबर्रा, राजस्व निरीक्षक,पटवारी व कोटवार तथा स्थानीय पुलिस बल के द्वारा मौके का मुयायना कर मुवावजे हेतु पंचनामा कार्यवाही कि गई। आगजनी घटना कि जानकारी लगते हि बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे तत्काल मौके पर पहुंची तथा पीड़ित दुकानदारो से मिलकर हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया वहीं इस दौरान अनीश खान सरपंच पाढरवानी लालबर्रा, डुलेन्द्र ठाकरे सभापति जिला पंचायत,झामसिंह नागेश्वर जिला पंचायत सदस्य,प्रसन्न अवधिया बर्तन व सराफा व्यवसाई,रवि अग्रवाल समाज सेवी व व्यापारी, शैलेष केकती विधायक प्रतिनिधि,सहित अन्य और लोग उपस्थित रहे हैं। वहीं जिन दुकानदारों कि दुकान में आग लगी उनमें सुमन बारेकर पिता जिवनलाल निवासी बेलगांव चप्पल दुकान, भगवान दास साहु छोटी पनबिहरी चाय दुकान,सतीष कुमार कसार पिता गुलाबचंद लालबर्रा बर्तन दुकान, सुधीर कसार पिता स्वरूप लालबर्रा बर्तन दुकान,वाजीद खान पिता वहीद खान इस तरह से यह पांच दुकान दार है जिनको लाखों रुपए का नुक़सान हुआ है।

आगजनी की घटना से दुकानदारों के सामने रोजी-रोटी का संकट -जानकारी अनुसार दुकान दार अपनी दुकान के पीछे परिवार का भरण पोषण करते हुए आ रहे थे साथ हि उनके पीछे उनके पास जो काम करते थे उनके भी परिवार का भरण पोषण होता था लेकिन आगजनी कि घटना से रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है लाखों रुपए का नुक़सान इन दुकानदारो को हुआ है सभी पीड़ित दुकानदारो ने प्रशासन से सहयोग कि अपेक्षा करते हुए मुवावजे कि मांग कि है।

इनका कहना है -

इस भीषण आगजनी से दुकानदारों का पुरा सामान जलकर खाक हो गया है परन्तु आगजनी का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है लेकिन लोगों का कहना है कि शार्ट सर्किट या फिर ठंड में लोगों के द्वारा आग तापने के दौरान यह घटना घटित होने कि संभावना व्यक्त कि जा रही है यह जांच का विषय है लालबर्रा ब्लाक अन्तर्गत 77 ग्राम पंचायतें आती है और विकासखण्ड का मुख्यालय है लेकिन फायर ब्रिगेड नहीं होने के कारण 25 किलोमीटर दूर बालाघाट, वारासिवनी से फायरब्रिगेड आती है जब तक आगजनी कि घटना घटित हो जाती है मेरे द्वारा सकारात्मक पहल करते हुए जल्द ही फायरब्रिगेड वाहन उपलब्ध कराये जाने का प्रयास किया जाएगा और सभी जनप्रतिनिधि मिलकर जनसहयोग कर पीड़ित दुकानदारों कि मदद करें ताकि यह लोग अपना दुबारा व्यापार शुरू कर सके।

श्रीमती अनुभा मुंजारे
विधायक बालाघाट

वैसे मैंने वाट्सअप पर देखा है हम पता करते हैं,यह दुकानें जनपद अन्तर्गत है या नहीं उसका आंकलन कराते हैं हम दिखवा देते हैं यदि जनपद से आवंटित है तो उसका किराया लगता होगा।

चन्दरसिंह मण्डलोई
सीईओ लालबर्रा

सुबह आज ही मुझे जानकारी मिली थी कि आगजनी से दुकानें जली हुई है तो मैं मौके पर तत्काल पहुंचा थाना प्रभारी भी मेरे साथ थे अन्य लोग भी थे मैंने देखा वहां पर चार पांच दुकानें जली आगजनी का कारण तो अज्ञात है सहायता राशि के जो भी प्रावधान होंगे तत्काल ही उनको सहायता राशि दिलवाई जाएगी अग्नीयंत्र के माध्यम से आग को बुझाने का प्रयास किया गया है उसको काबू पा लिया गया है किसी प्रकार कि जनहानी नहीं हुई जानकारी प्राप्त हुई है कि वह शासकीय भूमि है।

कन्हैयालाल टेकाम तहसीलदार लालबर्राबस स्टैंड के पीछे स्थित पांच दुकानों में आग लगने से करीब 20 लाख रुपए का नुक़सान हुआ है और रात्रि के समय कुछ लोग ठंड से बचने के लिए आग जलाये थे ऐसा बताया जा रहा है या फिर शार्ट सर्किट से आग लगने कि सम्भावना व्क्त कि जा रही है परन्तु अब तक आगजनी का कारण अज्ञात है आग कैसे लगी उसकी जांच कर दुकानदारों को प्रशासन से उचित मुआवजा दिलाया जाएगा।

अनीश खान सरपंच
पाढरवानी लालबर्रा

जैसा कि हमें मालूम हुआ कि लालबर्रा में बर्तन दुकानों में आग लगी है आग कि लपेट चल रही थी फायरब्रिगेड को बुलाया गया और आग पर काबू पाया गया आग अज्ञात कारणों से लगी हुई है प्रशासन को पता लगाना चाहिए कि घटना किस तरह से हुई है और हमारे व्यापारी भाईयों को जो नुकसान हुआ प्रशासन के द्वारा उसका मुवायजा दिलवाया जाए जिससे कि वह अपना व्यापार प्रारंभ कर सके बहुत बड़ी घटना है और फायर ब्रिगेड समय पर नहीं पहुंचा है ऐसी घटना दोबारा ना हो उसके लिए हम प्रयास करेंगे लाखों रुपए कि हानी हुई है अपना व्यापार करने के लिए बहुत मुसीबत जायेगी हम प्रशासन से मांग करेंगे कि जो नुकसान हुआ है उनको 6 - 4 के अन्तर्गत लाभ लाभ दिया जाये।

झामसिंह नागेश्वर
जिला पंचायत सदस्य

सुबह-सुबह जानकारी लगी कि अपरिहार्य कारणों से आग कि घटना घटित हुई है जब मैं सुबह आया तो चप्पल दुकान से आग बर्तन दुकानों में लग रही थी और हमारे भाईयों कि 6 दुकान जलकर पुरी नष्ट हो चुकी है मेरा प्रशासन से निवेदन है कि ज्यादा से ज्यादा उनको मुवावजा मिले और इसकी गहनता से जांच होना चाहिए आग किन कारणों से लगी है और प्रशासनिक बड़े अधिकारी भी दौरा करें कलेक्टर साहब व एसपी साहब दौरा करें लालबर्रा कि यह सबसे बड़ी घटना है।

प्रसन्न अवधिया
सराफा व बर्तन व्यापारी

सुबह मुझे जानकारी लगी कि मेरी दुकान जल रही है इतना सुनकर मैं अपने दोनों बेटों के साथ आया,पता चला कि यहां चार से पांच दुकान जल रही थी मुझे मेरी दुकान के किनारे चाय बेचने वाले ने फोन किया अब मैं चाहता हूं कि शासन मुझे सहायता राशि प्रदान करें लगभग दस लाख रुपए का नुक़सान हुआ है।

सोमनलाल बारेकर
पीड़ित दुकानदार

शिवमहापुराण कथा में पार्षद पवन चीनी नें दिए 51000 रुपए की सहयोग राशि

आस्था के प्रति बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं समाजसेवी पवन चीनी

यशपाल सिंह जाट | सिटी चीफ

अनूपपुर, नगर परिषद बरगवां अमलाई में आगामी 6 दिसंबर से बरगवां अमलाई सोडा फैक्ट्री ग्राउंड में होने जा रहे शिव महापुराण कथा में जहां सभी अपना सहयोग दे रहे हैं, और कथा आयोजन की तैयारी भी जोरों शोरों पर है चल रही है वही धार्मिक आयोजनों की अगर बात की जाए तो समाजसेवी पवन चीनी एक ऐसा नाम है जो सदैव ही आस्था के प्रति बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है और एक बार फिर से खुलकर दान करते हुए 51000 रुपए का दान किया है पवन चीनी लगातार समाज सेवा में एवं दान में आगे रहते हैं लोगों का सहयोग करना इनकी आदत सी बन गई है। शिव भक्ति जन चेतना समिति द्वारा पार्षद पवन कुमार चीनी के इस सहयोग राशि को देखकर समिति के सभी सदस्यों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है द्य क्योंकि इनका सहयोग ही काफी महत्वपूर्ण है लगातार आसपास के क्षेत्र में अपने आप को एक अलग पहचान देना किसी से काम नहीं है वहीं हाल ही में श्री राम कथा आयोजन में सहयोग राशि के रूप में 61000 रुपए प्रदान किए थे जिसके लिए उन्हें श्री राम कथा समिति अनूपपुर द्वारा पवन चीनी के परिवार सहित उनकी मित्र मंडली को आशीर्वाद प्रदान किया था, इसके पहले भी गरीब बच्चियों की शादी में सहयोग करने के साथ- साथ उनकी मदद करना व हाई सेकेंडरी स्कूल परीक्षा में प्रथम आए हुए छात्र-छात्राओं को लैपटॉप व टैबलेट देकर उनका मान बढ़ाना कोई इनसे सीखे अपने नेक कार्यों के लिए हरदम आगे आकर सहयोग करनें का नाम है पवन चीनी कोरोना काल में लगातार लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनका सहयोग करना किसी पुन्य कार्य से काम नहीं था

राजस्व महाभियान के प्रतिदिन की प्रगति की बैठक लेकर समीक्षा करें एसडीएम-कलेक्टर

कलेक्टर ने समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

सुशिल सोनी | सिटी चीफ

अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कहा है कि जिले में चल रहे राजस्व महाभियान 3.0 में सभी राजस्व अधिकारी गंभीरता के आधार पर चिन्हित एवं लंबित प्रकरणों का निराकरण करें। जिले में नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा एवं नक्शा तरमीम का कोई भी प्रकरण लंबित न रहे इसका भी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसीलदार विशेष ध्यान रखें। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व महा अभियान अंतर्गत पटवारी द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा सभी अनुविभागीय अधिकारी प्रतिदिन शाम को करें तथा अगर कोई पटवारी लंबित एवं चिन्हित प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही एवं उदासीनता बरतते हैं, तो संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करें। राजस्व महा अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, सहायक कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर श्री महिपाल सिंह गुर्जर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतहरी श्रीमती अंजली द्विवेदी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा श्री अजीत तिर्की, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ श्री सुधाकर सिंह बघेल सहित विभिन्न विभागों के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने मिलावट से मुक्ति के संबंध में किए गए कार्यवाही की जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से प्राप्त की तथा निर्देशित किया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी के साथ जिले के सभी खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की जांच की जाए तथा खाद्य पदार्थ में किसी प्रकार की मिलावट पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाए। इसी प्रकार कलेक्टर ने मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समाधान ऑनलाइन की समीक्षा करते हुए उपार्जन के लंबित भुगतान, पशु बीमा के लंबित भुगतान, प्रसूति सहायता राशि के लंबित प्रकरण, पीएम किसान सम्मान निधि के प्रकरण, हैंडपंप मरम्मत, सीएम हेल्पलाइन तथा अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने नर्मदा जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले वृहद कार्यक्रम के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि नर्मदा जयंती के अवसर पर भव्य एवं विशेष आयोजन किया जाएगा, इस हेतु आवश्यक तैयारियां की जांए। उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ को निर्देशित किया कि मां नर्मदा की आरती प्रतिदिन अमरकंटक के घाट में हो, ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पवित्र नगरी अमरकंटक में बेहतर साफ-सफाई एवं स्वच्छता, आकर्षक लाइटिंग, दान पेटी, कपिलधारा की सीढ़ी सहित अमरकंटक से जुड़े अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

दिल्ली यूनिवर्सिटी चुनाव में NSUI की ऐतिहासिक जीत

कटनी में आतिशबाजी और मिठाई के साथ जश्न

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, दिल्ली यूनिवर्सटी छात्रसंघ चुनाव में एनएसयूआई की प्रेसीडेंट पद पर जीत होने की खुशी में मध्यप्रदेश के कटनी जिले के NSUI के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने शासकीय तिलक कॉलेज में आतिशबाजी और एक दूसरे को मिठाई बांट जश्न मनाया। NSUI KE पदाधिकारियों ने बताया कि दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव में NSUI ने बड़ी जीत दर्ज की। NSUI ने प्रेजिडेंट और जॉइंट सेक्रेटरी पद पर जीत हासिल की।

ABVP का चार साल का प्रेजिडेंट पद पर कब्जा खत्म हुआ। 2017 के बाद NSUI की यह बड़ी वापसी है। कम वोटिंग के बावजूद NSUI ने जीत हासिल कर रौनक खत्री DUS के नए प्रेजिडेंट बने। साथ ही मध्यप्रदेश में भी आगामी छात्रसंघ चुनाव में NSUI की जीत तय है।

मिड डे मील में अनियमितताओं के खिलाफ सपा का अनोखा प्रदर्शन

ढोल-ढपली के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे पदाधिकारी, मिड डे मील टेंडर पर उठाए सवा

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी कलेक्ट्रेट कार्यालय में आज समाजवादी पार्टी के जिला जिला अध्यक्ष अपने दी अन्य पदाधिकारियों के साथ ढोल डमरू और ढ़पली बजाते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे अनोखा प्रदर्शन किया। ये सभी मिड डे मिल के संचालक के खिलाफ किया प्रदर्शन कर रहे है, इंदौर की आकांक्षा समूह को मिड डे मिल का टेंडर दिए जाने से नाराज़ है इनका आरोप है कि यह संस्था ऐसे संस्था को टेंडर दिया है जो छात्राओं को बसी भेजना भिजवा रही रही जिसकी काई बार शिकायत की है लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई।

कटनी कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष ए के खान और दो अन्य पदाधिकारियों ने आरोप लगाते हुए बताया कि मिड डे मिल के संचालक के खिलाफ यह अनोखा प्रदर्शन किया जा रहा है कटनी जिले में इंदौर की आकांक्षा समूह को मिड डे मिल का टेंडर दिया गया है लेकिन इस फर्म ने कटनी जिले की एक संस्था को ठेका दिया है जो कटनी जिले के बच्चों को भोजन को गुणवत्ता खराब भोजन दे रहा है। ओर अधिकारी है कि इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है।

जनपद के सरकारी, अर्द्धसरकारी, नगर निकायों एवं शिक्षण संस्थानों में भव्य रूप से आयोजित हुआ संविधान दिवस

आयुक्त कार्यालय, कलेक्ट्रट एवं विकास भवन में दिलाई गयी संविधान की शपथ

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, संविधान दिवस के अवसर पर राज्यमंत्री लोक निर्माण विभाग बृजेश सिंह की अध्यक्षता एवं विधायक नकुड मुकेश चौधरी, विधायक रामपुर मनिहारान देवेन्द्र निम एवं जिलाधिकारी मनीष बंसल की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में संविधान दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर लोक भवन में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया। राज्यमंत्री ने इस अवसर संविधान की प्रस्तावना की सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई। हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली

बंधुता बढाने के लिए दृढ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में तारीख 26 नवम्बर 1949 ई0 मिति मार्ग शीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते है। राज्य मंत्री बृजेश सिंह ने कहा कि हम आज से संविधान दिवस के अमृतकाल में प्रवेश कर रहे है। हमारा संविधान सर्वधर्म एवं सर्वसमाज को लेकर चलने वाला है। संविधान के माध्यम से ही देशवासियों को अधिकार एवं कर्तव्य मिले हुए है। हमारा देश प्रजातांत्रिक देश है। उन्होने कहा कि संविधान का निर्माण करने वाले समस्त विभूतियों जिसमें सर्वप्रथम नाम डॉ0 भीमराव अम्बेडकर का आता है एवं संविधान सभा के सभी सदस्यों तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को नमन करते हुए समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को बधाई देते है। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि 26 नवम्बर 1949 को संविधान निर्माण की प्रक्रिया सम्पन्न हुई थी। 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर अमृतकाल मनाया जा रहा है। इसके तहत वर्ष भर स्कूल एवं कॉलेजों में संविधान के महत्व को बताते हुए विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि संविधान के कारण ही आज हमारा देश बहुत तेजी से समृद्ध देश बना है।

पॉलीथिन खाने से हो रही गौवंशों की मौत

कलेक्टर कार्यालय पहुंचे गौशाला संचालक

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, नगरपालिका के द्वारा गौशाला के समीप फेंकी जा रही पॉलीथिन से गायों के जीवन पर संकट खड़ा हो गया है और इसी परेशानी से परेशान होकर गौशाला संचालकों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर शिकायत की है। मंगलवार को ग्राम भीलवाडिया के द्वारकाधीश ओम शांति गौशाला के संचालक कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और शिकायत कर बताया कि गौशाला के समीप ही शाजापुर नगरपालिका के द्वारा खुले में कचरा फेंका जा रहा है। उक्त कचरे में पॉलीथिन की मात्रा अधिक है जिसकी वजह से गौशाला के गोवंश और अन्य मवेशी पॉलीथिन खाकर मृत हो रहे हैं। दर्जनों गौवंशों की जान जा चुकी है, जिसकी कई बार शिकायत की जा चुकी है लेकिन

कोई सुनवाई नही हो रही है। गौशाला संचालकों की मांग है कि निकलने वाला कचरा नगरपालिका के द्वारा भीलवाडिया क्षेत्र में फेंका जा रहा है, जिसको लेकर गौशाला संचालकों का आरोप है कि नपा कचरा खुले में फेंक रही है जिसमें पड़ी पॉलीथिन खाने से गौवंशों की मौत हो रही हैं। जिम्मेदार इसको जानकर भी अनजान बन रहे हैं। कार्रवाई की जानी चाहिए।

इमरान मसूद को मिली नई जिम्मेदारी, दिल्ली में उम्मीदवारों की चयन समिति में मिली जगह

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद को कांग्रेस पार्टी आलाकमान ने महत्व देते हुए उन्हें दिल्ली में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों के चयन समिति में रखा गया है। सांसद इमरान मसूद ने

पत्रकारों को बताया कि वह इस नई जिम्मेदारी का सूझबूझ के साथ निर्णय करेंगे और आलाकमान की कसौटी पर खरा उतरने का भरपूर प्रयास करेंगे। इमरान मसूद जैसे कद्दावर मुस्लिम नेता को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर यह साफ कर दिया है कि वह दिल्ली विधानसभा चुनावों में तगड़ी चुनौती पेश करेगी। कांग्रेस के इस निर्णय से आम आदमी पार्टी के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। इससे यह भी संकेत मिलता है कि दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी अलग-अलग चुनाव लड़ेंगे।

नहर का पानी गांव तक नही पहुंचने पर कलेक्टर से शिकायत करने पहुंचे किसान

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर। नहर के माध्यम से किसानों को दिया जा रहा पानी कई गांवों में नही पहुंच सका है, जिससे परेशान किसानों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर शिकायत की है। मंगलवार को ग्राम कपालिया और सिहोदा के ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और यहां शिकायती आवेदन देकर बताया कि 16 नवंबर को पलसावद डेम से नहर शुरू की गई है, लेकिन उक्त नहर से बहने वाला पानी ग्राम कपालिया-सिहोदा तक नही पहुंच सका है। ग्रामीणों ने बताया कि कपालिया से पहले वाले गांव के कुछ लोगों ने नहर का पानी रोक लिया है और कई स्थानों पर नहर की सफाई नही हुई है जिससे उक्त समस्या खड़ी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि नहर का पानी गांव नही पहुंचने से सैकड़ों किसानों को सिंचाई के लिए पानी

नही मिल पा रहा है। आवेदन में शीघ्र ही समस्या का समाधान किए जाने की मांग की गई है।

दस दिन में भी नही पहुंचा पानी

कलेक्टर कार्यालय शिकायत लेकर पहुंचे किसानों का कहना है कि 16 नवंबर 24 को पलसावद डेम से नहर के माध्यम से सिंचाई हेतु पानी छोड़ा गया है, लेकिन नहर चालू होने के दस दिन बाद भी ग्राम कपालिया और सिहोदा में पानी नही पहुंच सका है, क्योंकि रास्ते में ही कुछ लोगों ने नहर के पानी को नियम विरूद्ध ढंग से रोक लिया है। समय पर पानी नही मिलने से गांव के करीब 200 किसान अपने खेतों में सिंचाई नही कर सके हैं। किसानों की मांग है कि मामले में तत्काल जांच कर रोका गया पानी गांव तक पहुंचाया जाए जिससे सिंचाई की जा सके।

शासकीय एकीकृत शाला माध्यमिक विद्यालय जाख में निशुल्क साइकिल वितरण का कार्यक्रम संपन्न

सुसनेर नगर की 165 ,वि, विधानसभा के ग्राम पंचायत जाख मैं शासकीय महाविद्यालय के विद्यार्थियों को साइकिल वितरणकराई गई कार्यक्रम में बच्चों को कुमकुम तिलक लगा कर के स्वागत किया बच्चों ने साइकिल पाकर बहुत खुश हुए और साथ ही सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि सरकार हम गरीबों को इस तरह से ख्याल रखती है जैसे की मां अपने बच्चों का इस अवसर पर भाजयुमो जिला मंत्री लखन सेन किसान मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष बने सिंह यादव स्कूल स्टाफ दिनेश सर ,बोहरा अब्दुल फिरोज , गिरीश शर्मा शरीफ मंसूरी एवं साथ ही कई लोग ग्रामीण अंचल के भी लोग उपस्थित रहे

बाबा साहब को याद कर संविधान दिवस पर हुआ शपथ ग्रहण एवं निबंध प्रतियोगता का आयोजन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा नेहरू युवा केंद्र शाजापुर के सयुंक्त तत्वावधान में मंगलवार को संविधान दिवस के उपलक्ष्य में शपथ ग्रहण एवं निबंध प्रतियोगता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ वीपी मीणा ने संविधान कि उद्देशिका का वाचन कराया तथा संविधान की शपथ दिलाई। वहीं रासेयो जिला संगठक प्रो दुष्यंतकुमार यादव ने रासेयो स्वयंसेवकों तथा विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान देश का सर्वोच्च कानून है। यह सरकारी संस्थाओं और नागरिकों के मौलिक अधिकारों, शक्तियों और कर्तव्यों को परिभाषित करने वाला विस्तृत ढांचा प्रदान करता है। यह संवैधानिक सर्वोच्चता स्थापित करता है। भारत के संविधान को 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा अपनाया गया था तथा यह 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था। संविधान के अंगीकरण के कारण 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम में शपथ के पश्चात् रासेयो इकाई एंबेसेडर रवि कुमार के नेतृत्व में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें रासेयो स्वयंसेवक एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भारत का संविधान विषय पर भाषण दिए। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम शिवम् परिहार, द्वितीय लक्ष्मी पुष्पद एवं तृतीय अनुजसिंह रहे तथा सांत्वना पुरस्कार सुमन बैरागी को दिया गया। इस अवसर पर प्रो प्रकाश बर्फा, प्रो गरिमासिंह परिहार, रासेयो इकाई दलनायिका हर्षिता पाटीदार, दीपिका शर्मा, रीना पंवार, नेहा शर्मा, श्रीनाथ, अनिल शर्मा, रितेशकुमार वर्मा, रासेयो मीडिया प्रभारी पवन पुरी सहित रासेयो स्वयंसेवक एवं महाविद्यालय के विद्यार्थी मौजूद रहे।

विद्यार्थी श्रृंखला बनाकर किया संविधान उद्देशिका का वाचन सीएम राइज विद्यालय हरायपुरा शाजापुर में 75वे संविधान दिवस पर प्रधानाध्यापिका का रानू सक्सेना के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा विद्यार्थी श्रृंखला बनाकर संविधान दिवस मनाया गया। इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रानू सक्सेना ने संविधान उद्देशिका का वाचन किया तथा वरिष्ठ शिक्षिका शैफाली जोशी द्वारा संविधान दिवस पर विद्यार्थियों को संविधान की अक्षुण्णता बनाए रखने के लिए शपथ दिलाई गई। शिक्षक हेमंत सक्सेना ने संविधान सभा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। शिक्षक ईश्वरलाल मालवीय ने बताया कि भारतीय संविधान दुनिया का सबसे बड़ा संविधान है, जिसे तैयार करने में कुल 2 साल 11 महीने और 18 दिन लगे थे। शिक्षकों द्वारा प्रश्नोत्तरी के माध्यम से संविधान के उद्देश्यों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर तबस्सुम शाह, ईश्वरलाल मालवीय, सीमा सोनगरा, दिलीप जायसवाल, हेमंत सक्सेना, अरुणा कराड़ा, रुचि नागर, शैफाली

भाटिया सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

पुलिस थाना पिछोर द्वारा कार्यवाही करते हुये ईसी एक्ट मे 2000 रु. के इनामी फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया

दिनाँक 06.09.24 को सूचनाकर्ता देवेन्द्र दांगी सहकारी निरीक्षक के व्दारा शासकीय उचित मूल्य की दुकान रेवई मे खद्द्यान वितरण मे 4,37,525 रु. का गबन किया गया रिपोर्ट पर से आरोपीगण दातार सिंह यादव निवासी रेवई, इमरत पाल निवासी कमालपुर, रविन्द्र लोधी निवासी मादौन कलाँ के विरुद्ध थाना पिछोर पर अप. क्र. 425/24 धारा 3/7 ईसी एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया, विवेना के दौरान प्रकरण मे धारा 316 (5) बीएनएस इजाफी की गई एवं आरोपीगण की गिरफ्तारी के प्रयास किये गये। आरोपीगण की गिरफ्तारी हेतु श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय व्दारा 2000-2000 रु. कि ईनाम की घोषणा की गई थी।
श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी श्री संजीव मुले के निर्देशन में एवं श्रीमान एसडीओपी महोदय पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में फरार आरोपी दातार सिंह पुत्र विश्वनाथ सिंह उम्र 58 साल निवासी ग्राम रेवई को आज दिनाँक 26.11.24 को मुखबिर सूचना पर नया चौराहा से गिरफ्तार किया गया, पूछताछ की गई एवं गिरफ्तारशुदा आरोपी को माननीय न्यायालय पेश किया गया।
भूमिका:- उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी पिछोर निरीक्षक जितेन्द्र सिहं मावई, उनि बी.एल. दोहरे, उनि संजय लोधी, सउनि जहान सिंह, सउनि अरविन्द यादव, आर. 313 माँगीलाल गुर्जर, आर. 1054 हाकिम वर्मा, आर. 425 धर्मेन्द्र लोधी, आर. 590 बचान सिंह तोमर की सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस थाना पिछोर द्वारा कार्यवाही करते हुये ईसी एक्ट मे 2000 रु. के इनामी फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया

दिनाँक 06.09.24 को सूचनाकर्ता देवेन्द्र दांगी सहकारी निरीक्षक के व्दारा शासकीय उचित मूल्य की दुकान रेवई मे खद्द्यान वितरण मे 4,37,525 रु. का गबन किया गया रिपोर्ट पर से आरोपीगण दातार सिंह यादव निवासी रेवई, इमरत पाल निवासी कमालपुर, रविन्द्र लोधी निवासी मादौन कलाँ के विरुद्ध थाना पिछोर पर अप. क्र. 425/24 धारा 3/7 ईसी एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया, विवेना के दौरान प्रकरण मे धारा 316 (5) बीएनएस इजाफी की गई एवं आरोपीगण की गिरफ्तारी के प्रयास किये गये। आरोपीगण की गिरफ्तारी हेतु श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय व्दारा 2000-2000 रु. कि ईनाम की घोषणा की गई थी। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी श्री संजीव मुले के निर्देशन में एवं श्रीमान एसडीओपी महोदय पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में फरार आरोपी दातार सिंह पुत्र विश्वनाथ सिंह उम्र 58 साल निवासी ग्राम रेवई को आज दिनाँक 26.11.24 को मुखबिर सूचना पर नया चौराहा से गिरफ्तार किया गया, पूछताछ की गई एवं गिरफ्तारशुदा आरोपी को माननीय न्यायालय पेश किया गया। भूमिका :- उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी पिछोर निरीक्षक जितेन्द्र सिहं मावई, उनि बी.एल. दोहरे, उनि संजय लोधी, सउनि जहान सिंह, सउनि अरविन्द यादव, आर. 313 माँगीलाल गुर्जर, आर. 1054 हाकिम वर्मा, आर. 425 धर्मेन्द्र लोधी, आर. 590 बचान सिंह तोमर की सराहनीय भूमिका रही।

__धार__ धार से सुनील पागनिस धार पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में धार पुलिस द्वारा संविधान दिवस को अपनाने की 75 वीं वर्षगांठ मनाई गई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अधिकारी/कर्मचारियो को शपथ दिलाई। साथ जिले के समस्त थानो में भी संविधान दिवस पर शपथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार धार पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में संविधान दिवस के उपलक्ष्य पर संविधान की उद्देशिका का वाचन किया गया व बताया की संविधान कर्तव्यों के साथ-साथ मौलिक अधिकारों, मार्गदर्शक सिद्धांतों और नागरिक जिम्मेदारियों को भी परिभाषित करता है । राष्ट्रीय संविधान दिवस संविधान में लिखे मूल्यों, जैसे न्याय, समानता और भाईचारे की याद दिलाता है । यह नागरिकों में उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाता है, उन्हें लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। डॉ.बी.आर. अंबेडकर की अध्यक्षता में संविधान सभा की प्रारूप समिति के योगदान को सम्मानित करने और स्वीकार करने के लिए वर्ष 2015 से प्रतिवर्ष दिनांक 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है । संविधान दिवस संवैधानिक आदर्शों और सिद्धांतों की पुष्टि करने का अवसर है । देश को संविधान को अपनाने की 75 वीं वर्षगांठ मनाई गई है साथ ही जिले के समस्त अनुभागों के थानो/ चौकियो पर संविधान दिवस की शपथ दिलाई गई एवं अधिकारियो के द्वारा स्कूलों में जाकर बच्चो को संविधान की उद्देशिका और विशेषता के बारे मे बताया गया। इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक अजाक श्री आनंद तिवारी, उप पुलिस अधीक्षक महिला प्रकोष्ठ श्री जितेंद्र सिंह सिसोदिया, रक्षित निरीक्षक श्री पुरुषोत्तम बिश्नोई, निरीक्षक श्री प्रेमसिंह ठाकुर, निराक्षक (अ) संतोष अचाले, निरीक्षक कैलाश बारिया, इडलसिंह रावत, आशुतोष मिठास, मुख्य लिपिक श्री सीताराम वर्मा, सूबेदार रविंद्र कुशवाह सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय, रक्षित निरीक्षक कार्यालय, एवं अनुभाग धार के कुल 80 अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे

भाजपा ने मनाया संविधान दिवस डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

धार। संविधान निर्माता बाबा, साहब डॉ भीमराव अंबेडकर का 75 वां संविधान दिवस जिला मुख्यालय पर त्रिमूर्ति चौराहे पर डॉ अंबेडकर जी की प्रतिमा पर भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने भाजपा पदाधिकारी के साथ माल्यार्पण किया। जिला अध्यक्ष ने देश के संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान भाजपा नेता नरेश राजपुरोहित भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा भाजपा नगर

मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर आईटी सेल जिला संयोजक दीपक शर्मा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनमचंद फकीरा मंडल महामंत्री सन्नी होड़ा मंडल उपाध्यक्ष सोनिया राठौर भाजपा खेल प्रकोष्ठ जिला संयोजक लाखन सिंह नवासा किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विकास शर्मा पूर्व युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष देवेंद्र रावल, रतन पवार हरीश आर्य घनश्याम सोलंकी अमन फकीरा अभय वसुनिया सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एसपी कप क्रिकेट प्रतियोगिता

झाबुआ- एसपी कप टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में आज दिनांक 26.11.2024 को चार मैचों का पुलिस लाइन ग्राउंड झाबुआ पर आयोजन किया गया। खेल के शुभारंभ से पहले 26 नवंबर संविधान दिवस के उपलक्ष्य में सभी खिलाड़ियों व उपस्थित दर्शकों को संविधान प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक महोदय श्री पद्मविलोचन शुक्ल द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें मैच के लिए शुभकामनाएं दी। पहला मैच पुलिस लाइन VS राणापुर थाना के मध्य खेला गया जिसमें पुलिस लाइन 10 ओवर में 115 रन बनाए वही राणापुर 98 रन बना पाई और पुलिस लाइन 17 रन से मैच जीत गई। दूसरा मैच पुलिस अधीक्षक ऑफिस VS कल्याणपुरा थाना के मध्य खेला गया जिसमें टॉस जीतकर एसपी ऑफिस ने पहले बॉलिंग करने का निर्णय लिया। मैच में कल्याणपुरा थाना ने 10 ओवर में 120 रन बनाए वही एसपी ऑफिस ने 5 विकेट खोकर 125 रन बनाए व 05 विकेट से जीत हासिल की। तीसरा मैच रायपुरिया थाना VS मेघनगर थाने के मध्य खेला गया जिसमें रायपुरिया थाना ने 10 ओवर में 85 रन बनाए वही मेघनगर थाना ने 02 विकेट खोकर 08 विकेट से मैच जीत लिया। दिन का अंतिम मैच पेटलावद थाना VS कालीदेवी थाना के मध्य खेला गया जिसमें कालीदेवी थाना ने 10 ओवर में 132 रन बनाए वही पेटलावद ने 05 विकेट खोकर 133 रन बनाए व 05 विकेट से मैच जीत लिया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झाबुआ ने आज

जिला शिक्षा विभाग और जनजाति कार्य विभाग झाबुआ को दिया ज्ञापन

झाबुआ

जिला संयोजक निलेश गणावा और झबुआ भाग संयोजक विनोद गणावा ने बताया कि कन्या स्कूल झाबुआ की प्राचार्य द्वारा आदर्श महाविद्यालय झाबुआ में विद्यार्थियों को डरा धमका कर एक रूम में बिठाकर वहां पर कार्यक्रम कराया गया जब वहां पर बैठे विद्यार्थियों ने हमारे कार्यकर्ताओं को फोन लगाकर बताया कि भैया कोई मैडम आकर हमें जबरदस्ती रूम में बिठाकर कार्यक्रम कर रही है, क्क्क्क के जिला संयोजक निलेश गणावा और कुछ कार्यकर्ता आदर्श महाविद्यालय में गए तो सीमा त्रिवेदी द्वारा यह बोला जाता है कि आप लोगों पर स्नद्धक्र करवा दूंगी तो हम आपसे यह पूछना चाहते हैं कि जिला शिक्षा विभाग एवं जनजाति विभाग सीमा त्रिवेदी के अनुसार चल रहा हैं अगर चलता है तो यह दोनों विभाग उनके घर पर खोलले अगर नहीं चलता है तो फिर एक प्राचार्य अपनी

संस्था छोड़कर महाविद्यालय में जाकर राजनीतिक क्यों कर रही है विद्यार्थी को ध्यान में देखते हुए सीमा त्रिवेदी त्रिवेदी को तत्काल प्रभाव से मुक्त किया जाए नहीं तो कॉलेज अध्यक्ष मुकेश मालीवाड ने बताया कि इन सभी मांगों को 3 दिन के अंदर पूर्ण किया जाए अन्यथा छात्र शक्ति राष्ट्र शक्ति तीन दिन के बाद जिला कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेगी वह शिक्षा मंत्री का पुतला भी दहन किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन की रहेगी (ABVP) के कार्यकर्ता उपस्थित रहे कॉलेज अध्यक्ष मुकेश मालिवाड छात्र रोहित वसुनिया, अलकेश पारंगी, दिव्यांश मोरे, पंकज डामोर मलसिंह भूरिया, भारत नलवाया, मनीष कटारा, करण भाबोर विनोद भाभोर नीलेश गणावा एवं आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विजय स्तंभ चौराहे स्मारक का हिस्सा ट्रक की टक्कर से हुआ

खरगोन

कसरावद - नगर के विजय स्तंभ चौराहे थाना चौक के सामने अज्ञात वाहन ने सोमवार शाम स्मारक को जोरदार टक्कर मार दी जिससे स्मारक का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। शहीदों एवं अन्य अवसरों पर श्रद्धांजलि इस स्मारक पर दिए जाते हैं। बताया जा रहा है कि विजय स्तंभ चौराहे के पास दुकानों के बाहर रखे अस्थाई अतिक्रमण होने के कारण बड़े वाहन आए दिन स्मारक को टक्कर मारकर छतिग्रस्त कर भाग जाते हैं।

पुलिस ने किया गोलीकांड का किया पर्दाफाश

शूटर सहित 4 आरोपी गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त हथियार जब्त

देवास/कन्नौद पिछले दिनों नगर में सतवास रोड के समीप एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले के चार दिनों में ही पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इस हत्या में मृतक की पत्नी व बेटी भी शामिल थी। मृतक की बेटी अपने शादी के रिश्ते से नाखुश थी। इसी आधार पर उसने हत्या की साजिश रची थी। एसपी पुनीत गेहलोत ने प्रेसवार्ता में घटनाक्रम की जानकारी दी कि 22 नवंबर को सुबह 7 बजे शासकीय चिकित्सालय कन्नौद से सूचना प्राप्त हुई कि निसार पिता मुशर्रफ अली उम्र 45 साल निवासी जत्रा मैदान कन्नौद को सतवास रोड पर उसके घर के सामने अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सीने में गोली मारी गई। परिजनों के द्वारा निसार अली को अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों की पैनल द्वारा उसे मृत घोषित किया गया। उक्त सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आकाश भूरिया, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कन्नौद केतन अडलक एवं थाना प्रभारी कन्नौद तहजीब काजी तत्काल फोर्स के साथ शासकीय चिकित्सालय कन्नौद पुहंचे। उक्त गंभीर घटना की जानकारी तत्काल वरिष्ठ अधिकारी को दी गई एवं घटनास्थल का सुक्ष्मता से निरीक्षण किया गया। परिजनों की रिपोर्ट पर से थाना कन्नौद में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण)

आकाश भूरिया के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी (कन्नौद) केतन अडलक के निर्देशन में 2 विशेष टीमों का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा तकनीकी साक्ष्य, भौतिक साक्ष्य एवं मुखबिर तंत्र सक्रिय किये गये। तकनीकी साक्ष्य, भौतिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को पकड़कर प्रारंभिक पूछताछ करने पर उनके द्वारा घटना करना स्वीकार किया है। पुलिस ने जब्तशुदा सामग्री- घटना में प्रयुक्त 12 बोर कट्टा, 1 खाली खोका एवं मोबाइल फोन के साथ आरोपियों को विशाल पिता अशोक उम्र 22 साल निवासी फरीदाबाद हरियाणा हाल मुकाम संजीवनी नगर थाना खजराना जिला इन्दौर, दीपक पिता मढिया उम्र 19 साल निवासी बाघ टांडा जिला धार हाल मुकाम खजराना थाना खजराना जिला इन्दौर, रुकसाना बी पति निसार अली उम्र 42 साल निवासी बीएसएनएल ऑफिस सतवास रोड कन्नौद, सिमरन पिता निसार अली उम्र 18 साल निवासी बीएसएनएल ऑफिस सतवास रोड कन्नौद को गिरफ्तार किया।

शादी के रिश्ते से नाखुश थी मृतक की बेटी- मृतक की बेटी सिमरन अपने शादी के रिश्ते से नाखुश थी। उसके पिता कहीं ओर रिश्ता कराना चाहते थे। इससे वह सतुंष्ट नहीं थी। इसी आधार पर अपनी मां के साथ मिलकर और अपने मित्र विशाल एवं उसके मित्र दीपक के साथ मिलकर घटना की साजिश को अंजाम दिया। सिमरन के कहने पर ही विशाल और दीपक के द्वारा निसार अली की गोली मारकर हत्या की थी। पूरे प्रकरण में पुलिस को गुमराह करने प्रयास किया गया। कई संदिग्धों से पुलिस ने पूछताछ की थी। कोई भी निर्दोष व्यक्ति पुलिस से प्रताड़ित ना हो इसका भी ध्यान रखा गया। पुलिस ने आखिरकार पेशेवर ढंग से आरोपियों का पता लगाया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सराहनीय कार्य- उपरोक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी कन्नौद तहजीब काजी, उनि राहुल रावत, दीपक भोण्डे, प्रआर अशोक जोसवाल, मोहनसिंह, दीपक अग्निहोत्री, आर बालकृष्ण छापे, राजेन्द्र, देवेन्द्र, निकेतन, महेश, रविराज, योगेन्द्र, मआर मुस्कान चौहान, कामिनी जाट, निशा मेहर एवं सायबर सेल प्रआर सचिन चौहान, शिवप्रताप सिंह सेंगर, आर मोनू राणावत का सराहनीय योगदान रहा।

आंगनवाड़ी केन्द्रों पर एकता और अखंडता की शपथ

उज्जैन

खाचरोद में 26 नवंबर को संविधान दिवस पर आंगनवाड़ी केन्द्रों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता महिलाओं, पुरूषों के साथ जनप्रतिनिधियों के साथ संविधान दिवस मनाया गया। सभी केंद्रों पर संविधान द्वारा प्रदत अधिकारों और नागरिकों के कर्तव्यों के बारे में अवगत करवाया और उद्देशिका का वाचन कर देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में अपना योगदान देने के लिए के लिए सपथ दिलाकर सभी को प्रेरित किया! वार्ड क्रमांक 18 पर कार्यकर्ता सुनीता भाटी, वार्ड पार्षद जय

जयसवाल जन प्रतिनिधियों ने संबोधन किया , संविधान के निर्माण से लेकर लागू होने तक की प्रक्रिया एवं संविधान के नीति निर्देशक तत्वों और मौलिक कर्तव्यों से अवगत करवाया! महिला सुरक्षा को लेकर विशेष जोर दिया। आंगनवाड़ी केन्द्रों की कार्यकर्ता सुनीता भाटी, सबाना शाह, तब्तसुम बी, ममता राठौर, ज्योति धाकड़ व पार्षद राजेन्द्र धाकड़, संजय नदेड़ा, नीरज़न सिसोदिया ने भी आंगनवाड़ी केंद्र पर जाकर संविधान दिवस समारोह में हिस्सा लेकर शपथ लेकर महिलाओं पुरूषों को देश की एकता व अखंडता बनाए रखने केलिए प्रेरीत किया ।

आचार्य श्री जयंतसेन जी का जन्मदिवस मनाना हमारी आस्था का केंद्र...

झाबुआ। त्रिस्तुतिक परम्परा के महान संत युगप्रभावक आचार्य श्रीमद विजय जयंतसेन सूरीजी का 89 वा जन्मदिन पूरे देश में 29 नवंबर 24 (मगसर वदी 13)को विविध आयोजनों के साथ मनाया जाएगा। इसी कड़ी में तरुण परिषद शाखा राणापुर भी विविध आयोजनों के साथ जन्मोत्सव मनाने जा रही है। यह तरुण परिषद की श्रद्धा और आस्था का प्रतीक हे।।

500 विद्यार्थियों की उपस्थिति में मनाया जाएगा...तरुण परिषद के राष्ट्रीय सदस्य अवि सकलेचा ने बताया कि यह आयोजन राज राजेंद्र पब्लिक स्कूल के प्रांगण में करीब 500 विद्यार्थियों की उपस्थिति में मनाया जाएगा।समारोह में इस वर्ष फटाकों का त्याग करने वाले 30 बच्चों का प्रशस्ति पत्र ओर उपहार से सम्मान किया जाएगा। गीता कान्वेंट के 25 निर्धन बच्चों को कम्बल वितरण व हरित कुंभ (प्रयागराज) के लिए थाली और थैली भेट दी जाएगी। **यह रहेंगे उपस्थित....**समारोह में मनोहर भंडारी (झाबुआ श्री जैन संघ अध्यक्ष) प्रीति पंघाल (समन्वयक NYK)दिलीप सकलेचा, चंद्रसेन कटारिया (राणापुर संघ अध्यक्ष)अनिल सेठ व्यवस्थापक (ओसवाल पंच) अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

अमेरिका में 2003 के बम धमाके का आरोपी 21 साल बाद ब्रिटेन से हुआ गिरफ्तार

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका में 2003 में कैलिफोर्निया की एक बायोटेक कंपनी में हुए बम धमाके के आरोपी डेनियल आंद्रेस सैन डिएगो को 21 साल बाद ब्रिटेन के वेल्स से गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी अमेरिकी संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने दी है। आरोपी डेनियल सैन डिएगो एक पशु अधिकार कार्यकर्ता था जिसने बायोटेक कंपनी में बम धमाका किया था।

कैलिफोर्निया के बम धमाके का मामला

सैन डिएगो पर आरोप है कि उसने अगस्त 2003 में कैलिफोर्निया के ओकलैंड के पास एक बायोटेक फर्म चिरोन इंक में दो बम लगाए थे। हालांकि दूसरे बम को जांच अधिकारियों ने निष्क्रिय कर दिया था। इसके बाद सैन डिएगो ने एक महीने बाद कैलिफोर्निया की एक और कंपनी में तीसरा बम लगाया लेकिन इन धमाकों में किसी को चोट नहीं आई थी।

आरोपी का गिरफ्तारी और अभियोजन

एफबीआई ने बताया कि डेनियल सैन डिएगो को ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी आतंकवाद निरोधक पुलिस और उत्तरी वेल्स पुलिस ने संयुक्त रूप से गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी एफबीआई के साथ समन्वय में हुई। डिएगो पर 2009 में आरोप तय किया गया था और वह तब से फरार था।

क्या थे धमाकों के पीछे के कारण?

सैन डिएगो और उसके सहयोगियों ने ये बम धमाके एक पशु अधिकार संगठन रिवोल्यूशनरी सेल्स के तहत किए थे। यह संगठन बायोटेक कंपनियों द्वारा पशुओं पर किए गए परीक्षणों के विरोध में था विशेष रूप से हटिंगडन लाइफ साइंसेज नामक कंपनी द्वारा। इस कंपनी पर आरोप था कि वह पशुओं पर क्रूरता करती है जिससे पशु अधिकार संगठन नाराज था। इसके परिणामस्वरूप सैन डिएगो ने बम विस्फोटों को अंजाम दिया।

एफबीआई के निदेशक क्रिस्टोफर रे ने इस गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह कार्रवाई साबित करती है कि चाहे कोई भी संदिग्ध कितने भी साल तक भागे जांच एजेंसियां उसे पकड़ने के लिए कभी हार नहीं मानतीं। उन्होंने कहा, हमारे देश में अपनी बात रखने का सही तरीका है लेकिन हिंसा करना और संपत्ति को नुकसान पहुंचाना सही तरीका नहीं है।

अंत में कहा जा सकता है कि सैन डिएगो की गिरफ्तारी से यह भी साफ हो गया है कि अमेरिकी कानून व्यवस्था किसी भी संदिग्ध के खिलाफ कार्रवाई करने में कोई कसर नहीं छोड़ती चाहे वह कितने साल भी छिपा रहे।

हिंडन नदी पुल पर बड़ा ट्रक हादसा, 2 की मौत

नेशनल डेस्क. बुधवार तड़के मुरादाबाद के पास हिंडन नदी के पुल पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक ट्रक नदी में गिर गया। इस हादसे में ट्रक में सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य को पुलिस और स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू ऑपरेशन के जरिए सकुशल बाहर निकाल लिया।

पुलिस अधिकारी सीओ गजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि पंजाब के लुधियाना से एक ट्रक में ईंट भट्ठे में इस्तेमाल होने वाली मिट्टी मुरादाबाद ले जाई जा रही थी। ट्रक बुढाना से होते हुए मुजफ्फरनगर की ओर जा रहा था। बुधवार तड़के करीब तीन बजे ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया और पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नदी में गिर गया। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और बचाव कार्य शुरू किया। घंटों की मेहनत के बाद स्थानीय लोगों और हाइड्रा क्रेन की मदद से ट्रक को नदी से बाहर निकाला गया।

रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान ट्रक सवार चार लोगों को बाहर निकाला गया। इनका नाम अजय (पुत्र बबलू), निवासी नवाबपुरा, थाना नागफनी, मुरादाबाद, जावेद (पुत्र मुन्ना जान), निवासी कस्बा और थाना ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद, छोटेलाल (पुत्र छत्रपाल सिंह), निवासी कस्बा और थाना ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद नील (पुत्र हेमराज), निवासी नवाबपुरा, थाना नागफनी मुरादाबाद, दो घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि चालक छोटेलाल और नील को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मृतकों के परिवारों को सूचित कर दिया है।

सड़क पर लगा जाम

हादसे के बाद हिंडन नदी के पुल पर बड़ा जाम लग गया, क्योंकि ट्रक को बाहर निकालने के लिए हाइड्रा क्रेन की मदद ली गई। पुल के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। स्थानीय पुलिस ने जाम को नियंत्रित करने के लिए तुरंत कदम उठाए और आसपास के क्षेत्रों में वाहनों को रोक लिया।

घंटों की मेहनत के बाद ट्रक को बाहर निकाला गया और हाइड्रा को पुल से हटाने के बाद जाम को खोला गया। इस हादसे को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग भी मौके पर पहुंचे थे। पुलिस ने जाम की स्थिति को नियंत्रित किया और यातायात को सामान्य किया।

महाराष्ट्र में संविधान और आरक्षण के मुद्दे पर फेल हुए अघाड़ी

भाजपा का एक हैं तो सेफ हैं नारा कर गया काम

नेशनल डेस्क. महाराष्ट्र में संविधान और आरक्षण को खतरा जैसा मुद्दा भी महाविकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) की नैय्या पार नहीं लगा पाया। इसी मुद्दे पर लोकसभा चुनाव में महायुति गठबंधन दलित वोटों से महरुम हो गया था, लेकिन हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन ने उन सीटों पर फिर से कब्जा कर लिया है, जहां अनुसूचित जाति (एस.सी.) की अहम भूमिका रहती है। संविधान और आरक्षण की रक्षा के इर्द-गिर्द विपक्ष का अभियान विधानसभा चुनावों में सिरे नहीं चढ़ पाया, जबकि महायुति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दलित, आदिवासी और ओ.बी.सी. समुदायों को एकजुट करने का एक हैं तो सेफ हैं नारा जमीनी स्तर पर काम कर गया। वोट शेयर डाटा भी इन सीटों पर महायुति के प्रभुत्व को दर्शाता है। इसने एस.सी.आरक्षित सीटों पर कुल वोटों में से 49.48 फीसदी और 67 सामान्य सीटों पर 48.14 फीसदी वोट हासिल किए हैं। जबकि एम.वी.ए. को इसी क्रम में क्रमशः 39.43 फीसदी और 48.14 फीसदी वोट मिले हैं।

एस.सी.-आरक्षित सीटों किसे क्या हुआ हासिल

महायुति ने इस बार राज्य की 29 एस.सी.-आरक्षित सीटों में से 20 पर शानदार जीत हासिल की है। एक विश्लेषण के मुताबिक उसने 67 ऐसी सामान्य सीटों में से 59 पर भी जीत दर्ज की है, जहां एस.सी. की आबादी कम से कम 15 फीसदी है। भाजपा ने 10 एस.सी.-आरक्षित विधानसभा सीटों पर कब्जा जमाया है, जबकि अजित पवार के नेतृत्व वाली एन.सी.पी. को 5, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 4 और 1 सीट उसके छोटे सहयोगी दल को मिली है। दलित मोर्चे पर एम.वी.ए. ने खराब प्रदर्शन करते हुए 9 सीटों पर जीत हासिल की है। कांग्रेस ने 4 एस.सी. सीटें जीतीं हैं, जबकि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सेना (यू.बी.टी.) ने 3 और शरद पवार के नेतृत्व वाली एन.सी.पी. ने 2 सीटों पर जीत दर्ज की।

दलित आबादी वाली सामान्य सीटों पर भाजपा का दबदबा

महायुति ने आरक्षित सीटों पर दबदबा ही नहीं बनाया है, बल्कि इस साल के लोकसभा चुनावों में अपने खराब प्रदर्शन से महत्वपूर्ण वापसी भी की है। राज्य की कम से कम 15 फीसदी वाली दलित आबादी वाली 67 सामान्य सीटों में भाजपा ने अकेले 42 सीटों पर जीत का परचम लहराया है। यहां अजित पवार की एन.सी.पी. 8 और शिंदे शिवसेना 6 सीटों पर काबिज हुई है। हालांकि एम.वी.ए. ने इनमें से सिर्फ 8 सीटें जीतीं। इनमें से 3 कांग्रेस , 2-2 सेना (यू.बी.टी.) और शरद पवार की एन.सी.पी. की 1 सीट शामिल है। एक सीट पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी की झोली में भी गई है।

चुनावों में दलित सीटों पर एम.वी.ए. का पतन

इस साल हुए लोकसभा चुनाव में एम.वी.ए. ने राज्य के सभी 5 एस.सी.आरक्षित संसदीय क्षेत्रों में जीत हासिल की थी। विधानसभा क्षेत्र-स्तर पर भी एम.वी.ए. ने एस.सी. के लिए आरक्षित 18 क्षेत्रों में जीत के साथ काफी बढ़त हासिल की थी। महायुति ने 10 एस.सी. विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त हासिल की थी, जिसमें एक निर्दलीय ने जीत दर्ज की थी। लोकसभा चुनावों में कम से कम 15 फीसदी एस.सी. आबादी वाली 67 विधानसभा सामान्य सीटों पर एम.वी.ए. ने 37 क्षेत्रों में जीत हासिल की थी, जबकि महायुति ने 26 सीटें जीतीं थी। शेष 4 सीटें ए.आई.एम.आई.एम. और निर्दलीय उम्मीदवारों के बीच बराबर-बराबर बंटी रहीं थी। विधानसभा चुनावों में इन सीटों पर एम.वी.ए. का पतन हुआ, जबकि महायुति ने अपनी संख्या दोगुनी से भी अधिक बढ़ाकर 59 कर ली है।

एम.वी.ए. को 237 सीटों पर वोट शेयर का नुकसान

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन ने जहां 288 सीटों वाली विधानसभा में 234 सीटें जीतकर विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी को बड़ा झटका दिया है, वहीं दूसरी ओर भाजपा के स्ट्राइक रेट में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह साल 2019 में 64 फीसदी था, जो हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में बढ़कर 88.6 फीसदी पर पहुंच गया है। 80 के दशक में कांग्रेस द्वारा जीती गई सीटों पर पार्टी का स्ट्राइक रेट 50 फीसदी रहता था। 2019 में यह 30 फीसदी पर पहुंच गया और 2024 में अब यह करीब 16 फीसदी तक आ पहुंचा है। विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनाव के वोट शेयर की तुलना करते हुए कहा गया है कि एम.वी.ए. को 237 विधानसभा सीटों पर वोट शेयर का नुकसान हुआ है।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का स्ट्राइक रेट था 76 फीसदी

छह महीने पहले लोकसभा चुनाव में राज्य की 48 सीटों में 30 पर एम.वी.ए. ने जीत हासिल की थी। इनमें कांग्रेस ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें पार्टी ने 76 फीसदी के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट के साथ 13 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं, शरद पवार की एन.सी.पी. ने 10 सीटों में से 8 पर जीत दर्ज की थी, जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने 21 सीटों पर चुनाव लड़ा और 9 सीटें जीती थी। इस जीत को अगर विधानसभा क्षेत्रों में बदल दिया जाए, तो ये 153 सीटें होती हैं, मगर इस विधानसभा चुनाव के दौरान महाविकास अघाड़ी सिर्फ 41 सीटें ही बरकरार रख सका।

आजमगढ़ में 190 करोड़ की ठगी का खुलासा

11 साइबर अपराधी विदेशी कनेक्शन से संचालित कर रहे थे ठगी का नेटवर्क

आजमगढ़. उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ जिले की पुलिस ने मंगलवार को करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 1 अरब 90 करोड़ रुपए के ठगी का खुलासा किया है। इस मामले में कुल 169 बैंक खातों में लगभग 2 करोड़ रुपए फ्रीज किए गए हैं। इसके अलावा 13 लाख 40 हज़ार रुपए नगद, 51 मोबाइल फोन, 6 लैपटॉप, 61 एटीएम कार्ड, 56 बैंक पासबुक, 19 सिम कार्ड, 7 चेकबुक, तीन आधार कार्ड, और एक जियो फाइबर राउटर भी बरामद किए हैं। इस मामले में आजमगढ़ पुलिस ने 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है जबकि 2 आरोपी फरार हैं। पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना ने पत्रकारों को बताया कि साइबर क्राइम के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के तहत 25 नवंबर को थाना साइबर क्राइम की पुलिस टीम ने रेड्डी अन्ना, लोटस और महादेव जैसे प्रतिबंधित ऑनलाइन एप के जरिए ठगी करने वाले इस गैंग का पर्दाफाश किया। गैंग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, मेटा और टेलीग्राम पर विज्ञापन देकर लोगों को अपने झांसे में फंसाता था। गैंग के पीड़ितों को पैसे दोगुने या तिगुने करने का लालच देकर उनकी लॉगिन आईडी बनाता और ऑनलाइन गेम्स के जरिए उनके खातों से पैसे निकालकर फर्जी खातों में ट्रांसफर करता था। पीड़ितों की आईडी ब्लॉक कर दी जाती थी।

पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर 11 आरोपियों को किया गिरफ्तार मीणा ने बताया कि इस संगठित गैंग में भारत के अलावा श्रीलंका और यूएई के सदस्य भी शामिल थे। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में उत्तर प्रदेश से 6, बिहार से 2, उड़ीसा से 2 और मध्य प्रदेश का एक अभियुक्त शामिल है। इन अभियुक्तों के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में 70 साइबर ठगी के मामले दर्ज हैं। इनकी गिरफ्तारी 25 नवंबर को नगर कोतवाली के रैदोपुर क्षेत्र में स्मार्ट मॉल के सामने स्थित एक मकान से की गई। थाना साइबर क्राइम प्रभारी और उनकी टीम ने मुखबिर की सूचना पर 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

विनय यादव और सौरभ नामक ठग की तलाश कर रही पुलिस

गिरफ्तार अभियुक्तों ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वे आजमगढ़ में दो यूनिट चला रहे थे, जिनमें कुल 13 सदस्य सक्रिय रूप से कार्यरत थे। ये लोग सरकार द्वारा प्रतिबंधित एप का उपयोग कर ठगी करते थे। व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए पीड़ितों से संपर्क किया जाता था। गैंग द्वारा अर्जित धनराशि को फर्जी खातों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझेदारों के साथ बांटा जाता था। गिरफ्तार आरोपियों में राम सिंह (28),संदीप यादव (25),विशालदीप (22),अजय कुमार पाल (25),आकाश यादव (24),पंकज कुमार पुषांय (26),प्रदीप क्षात्रिया (22),विकास यादव (19),आनन्दी कुमार यादव (24),मिर्जा उमर बेग (21) औरअमित गुप्ता शामिल हैं। पुलिस विनय यादव और सौरभ नामक ठग की तलाश कर रही है।

लंदन में दिल दहला देने वाली घटन

30 साल के शख्स को 19 बार मारा पेचकस, जानें मामला

इंटरनेशनल डेस्क: इंग्लैंड की राजधानी लंदन के पूर्वी इलाके स्ट्रैटफोर्ड के नजदीक एक खतरनाक हमला सामने आया है। यहां एलिस वे इलाके में रात करीब 9:10 बजे एक अज्ञात हमलावर ने 30 वर्षीय व्यक्ति पर पेचकस से बर्बरतापूर्वक हमला कर दिया। हमलावर ने पीड़ित के सिर, पीठ और पेट पर 19 बार वार किए। इस हमले के बाद गंभीर रूप से घायल पीड़ित को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कई हफ्तों तक उसका इलाज चला।

हमला गर्मियों के मौसम के दौरान हुआ, जब प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर सबूत जुटाए और इलाके की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। हालांकि अभी तक हमलावर की पहचान नहीं हो पाई है और हमले के पीछे के कारणों का भी पता नहीं चल सका है।

पुलिस की कार्रवाई और अपील

मेट्रोपॉलिटन पुलिस और CID के डिटेक्टिव सार्जेंट साइमन व्हीलर ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए कहा है कि वे पीड़ित के संपर्क में हैं और जल्द से जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर न्याय दिलाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस ने जनता से अपील की है कि घटना से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए 101 नंबर पर कॉल करें। जानकारी गुप्त रखने के लिए 0800-555-111 हेल्पलाइन भी उपलब्ध कराई गई है।

सीसीटीवी फुटेज और संभावित सुराग

सीसीटीवी फुटेज में आरोपी की तस्वीरें कैद हुई हैं, जिन्हें पुलिस द्वारा जांचा जा रहा है। हालांकि, अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीड़ित की मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जो आगे की जांच में मददगार साबित हो सकती है।

इनाम और गुप्त सूचना का प्रावधान

पुलिस ने सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखने का आश्वासन दिया है। साथ ही, जानकारी देने वाले को इनाम देने की संभावना भी जताई गई है। इस हमले ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपी को जल्द से जल्द पकड़ लिया जाएगा, लेकिन तब तक स्थानीय लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569